पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जनवरी की

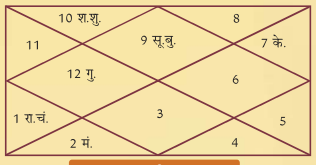

10 श.शु. | 8 | 11 | 9 सू.बु. | 7 के. | 12 गु. | 6 | 1 रा.चं. | 3 | 5 | 2 मं. | 4

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- धनु में, ता. 14 को 2:52 रात से मकर राशि में। **मंगल-** वक्री वृष राशि में, ता. 11 को मार्गी **बुध-** धनु राशि में वक्री, ता. 18 को मार्गी **गुरु-** मीन राशि में, **शुक्र-** मकर राशि में, ता. 22 को 8:20 दिन से कुंभ राशि में। **शनि-** मकर राशि में ता. 18 को 1।20 दिन से कुंभ राशि में, **राहू-** मेष राशि में, **केतु-** तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल मूल पूर्व दिवस से प्रारंभ, तारीख 1 को 4।17 दिन तक। ता. 8 को 4।32 रात से ता. 11 को 9।21 दिन तक। ता. 18 को 1।5 दिन. से ता. 20 को 10।36 दिन तक तथा ता. 26 को 12।37 रात. से ता. 28 को 12।01 रात तक।

सूर्य दक्षिणायन
ता. 15 से उत्तरायण

हेमंत ऋतु
15 से शिशिर ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 15 जनवरी की

11 | 9 बु. | 12 गु. | 10 सू.शु.श. | 8 | 1 रा. | 7 के.चं. | 2 मं. | 4 | 6 | 3 | 5

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा मेष का , ता. 2 को 10।57 बजे रात से वृष का। ता. 5 को 8।4 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 7 को 7।15 बजे सायं से कर्क का। ता. 10 को 7।4 बजे प्रातः से सिंह का। ता. 12 को 5।42 बजे सायं से कन्या का। ता. 14 को 2।7 बजे रात से तुला का। ता. 17 को 8।4 बजे प्रातः से वृश्चिक का। ता. 19 को 11।59 बजे दिन से धनु का। ता. 21 को 2।37 बजे दिन से मकर का। ता. 23 को 4।57 बजे सायं से कुंभ का। ता. 25 को 7।49 बजे रात से मीन का। ता. 27 को 12।6 बजे रात से मेष का। ता. 30 को 6।30 बजे प्रातः से वृष का।

वर्षभर की मंगल कामना के साथ यह पंचांग अपने मित्रों व संबंधियों को भेंट करें।
-ज्योतिषाचार्य गुरुदेव पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम

ता. 3 जादूगर आनंद जन्म दिवस
जबलपुर मप्र में जन्मे विश्व विख्यात जादूगर श्री आनंदजी ने तीन विश्व रिकार्ड बनाकर पूरे विश्व में देश को गौरवांवित किया है। पूरे विश्व में आपके प्रशंसक बड़ी श्रद्धा से आपका जन्म 3 जनवरी को मनाते हैं।

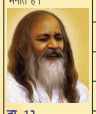

ता. 12 महर्षि जयंती
वेदों एवं ध्यानकर्म के पुनरोद्धारक महर्षि श्री महेश योगीजी का जन्म दिवस उनके अनुयायी वेदपाठी ब्राह्मण, कर्मकांडी बड़ी श्रद्धा के साथ मनाते हैं। आपके भावातीत ध्यान एवं सिद्धांतों से प्रेरित होकर देश ही नहीं बल्कि अनेक देशों के साधक लाभांवित हो रहे हैं।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 3, 7, 26, 30

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	10	10।3	रात	पौष शुक्लपक्ष
2	11	10।3	रात	
3	12	10।36	रात	
4	13	11।40	रात	
5	14	1।10	रात	
6	15	3।1	रात	
7	1	5।7	रात	माघ कृष्णपक्ष
8	2	दिन	रात	
9	2	7।20	प्रात:	
10	3	9।24	दिन	
11	4	11।12	दिन	
12	5	12।39	दिन	
13	6	1।34	दिन	
14	7	2।2	दिन	
15	8	1।57	दिन	
16	9	1।23	दिन	
17	10	12।22	दिन	
18	11	10।57	दिन	
19	12	9।13	दिन	
20	13 14	7।12	प्रात:	
21	30	2।39	रात	
22	1	12।18	रात	माघ शुक्लपक्ष
23	2	10।0	रात	
24	3	7।50	रात	
25	4	5।53	सायं	
26	5	4।12	दिन	
27	6	2।52	दिन	
28	7	1।59	दिन	
29	8	1।32	दिन	
30	9	1।35	दिन	
31	10	2।7	दिन	

शालिवाहन संवत 1944
शंकराचार्य संवत् 2529
श्री महर्षि संवत 105/6

जनवरी 2023

संवत् 2079
पौष-माघ मास

SUNDAY रवि	साम्व दशमी; **1**; अश्विनी 4।17 दिन; पौष शुक्ल 10	**8**; पुष्य 4।32 रात; माघ कृष्ण 2	मकर संक्रांति स्नान; **15**; चित्रा 2।17 दिन; खरमास समाप्त; माघ कृष्ण 8	गुप्त नवरात्रि प्रारंभ; **22**; उषा, श्रव 7।24 प्रातः; माघ शुक्ल 1	भीमाष्टमी; **29**; भरणी 12।23 रात; माघ शुक्ल 8
MONDAY सोम	पुत्रदा एकादशी; **2**; भरणी 4।46 दिन; वैकुण्ठ चौदस; पौष शुक्ल 11	**9**; श्लेषा दिनरात; माघ कृष्ण 2	**16**; स्वाती 2।18 दिन; भीष्म पितामह जयंती; माघ कृष्ण 9	**23**; धनिष्ठा 4।9 रात; माघ शुक्ल 2	महानंदा नवमी; **30**; कृत्तिका 1।11 रात; नवमी पूजा; माघ शुक्ल 9
TUESDAY मंगल	कूर्म द्वादशी; **3**; कृतिका 5।45 सायं; पौष शुक्ल 12	गणेश चतुर्थी व्रतं; **10**; श्लेषा 7।04 प्रातः; चंद्रोदय 8।22 रात; माघ कृष्ण 3	**17**; विशाखा 1।53 दिन; माघ कृष्ण 10	पंचक; **24**; शतभिषा 2।43 रात; माघ शुक्ल 3	गुप्त नवरात्रि पारणा; **31**; रोहिणी 2। 35 रात; माघ शुक्ल 10
WEDNESDAY बुध	प्रदोष व्रतं; **4**; रोहिणी 7।13 रात; रोहिणी व्रत (जैन); पौष शुक्ल 13	**11**; मघा 9।21 दिन; लाल बहादुर शास्त्री पुण्यतिथि; माघ कृष्ण 4	षट्तिला 11 व्रतं; **18**; अनुराधा 1।5 दिन; माघ कृष्ण 11	वैनायकी, तिल चतुर्थी व्रतं; **25**; पूर्वा भा. 1।32 रात; माघ शुक्ल 4	**भद्रा** ता. 2 को 10।2 बजे दिन से 10।3 बजे रात्रि ता. 5 को 1।10 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 6 को सूर्योदय से 2।7 बजे दिन ता. 9 को 8।27 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 10 को सूर्योदय से 9।24 बजे दिन ता. 13 को 1।34 बजे दिन से 1।57 बजे रात्रि ता. 16 को 1।00 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 17 को सूर्योदय से 12।22 बजे दिन ता. 20 को 7।12 बजे प्रातः से 6।09 बजे सायं ता. 25 को 6।51 बजे प्रातः से 5।53 बजे सायं ता. 28 को 1।59 बजे दिन से 1।45 बजे रात्रि ता. 31 को 2।42 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक भद्रा रहेगी।
THURSDAY गुरु	**5**; मृगशिर 9।7 रात; पौष शुक्ल 14	**12**; पूर्वा फा. 11।18 दिन; महर्षि महेश योगी जयंती; माघ कृष्ण 5	प्रदोष व्रतं; **19**; ज्येष्ठा 11।59 दिन; तिल द्वादशी; माघ कृष्ण 12	श्री वसन्त पंचमी; **26**; उ. भा. 12।37 रात; सरस्वती प्रकटोत्सव; माघ शुक्ल 5	
FRIDAY शुक्र	पूर्णिमा व्रतं; **6**; आद्रा 11।23 रात; पौष शुक्ल 15	लोहड़ी उत्सव; **13**; उ.फा. 12।46 दिन; माघ कृष्ण 6	शिव चतुर्दशी; **20**; मूल 10।36 दिन; रवि सायन कुंभे; माघ कृष्ण 13,14	मन्दारषष्ठी; **27**; रेवती 12।6 रात; पंचक समाप्त; माघ शुक्ल 6	
SATURDAY शनि	**7**; पुनर्वसु 1।54 रात; माघ मेला प्रारंभ; माघ कृष्ण 1	पोंगल; **14**; हस्त 1।47 दिन; श्री रामानन्दाचार्य जयंती; माघ कृष्ण 7	मौनी अमावस्या; **21**; पूर्वाषाढ़ 9।03 दिन; कलियुगादि तिथि; माघ कृष्ण 30	अचला सप्तमी; **28**; अश्विनी 12।01 रात; मां नर्मदा प्रकटोत्सव; माघ शुक्ल 7	**पंचक** तारीख 23 को 4।59 बजे सायंकाल से तारीख 27 को 12।6 बजे रात्रि तक पंचक रहेगा।

मुहूर्त

विवाह- ता. 15, से 19, 22, 25 से 27, 30, 31 **कूप खनन-** ता. 26, 27
नामकरण- ता. 4, 12, 23, 26, 27
कर्णभेद - ता. 13, 18, 23, 26, 27
अक्षरारंभ- ता. 1, 27 **मुंडन** -ता. 19, 23
अन्नप्राशन- ता. 1, 4, 12, 23, 26
सीमांत पुंसवन- ता. 12, 26
नवीन वस्त्र- ता. 4, 12, 13, 26, 27
प्रसूति स्नान- ता. 1, 3, 12, 15, 26, 31
व्यापार आरंभ- ता. 4, 12, 13, 26, 27
वाहन क्रय- ता. 1, 8, 13, 15, 22-23, 27 **औषधि सेवन-** ता. 1, 15, 28
संपदा क्रय- ता. 1, 9, 11, 12, 19, 20, 26, 27 **राज्यसेवा ग्रहण-** ता. 13,16
पूंजी निवेश- ता. 1, 8, 15, 22, 23, 27
देव प्रतिष्ठा- ता. 4, 20, 23, 26
शल्यक्रिया- ता. 1, 3, 8, 15, 31
वाटिका रोपण- ता. 1, 4, 12, 13, 15, 17, 26, 28, 31 **यात्रा-** ता. 1, 13, 23
धान्य छेदन- ता. 2, 12, 13, 22, 23, 25, 26, 29, 30 **उपनयन-** ता. 25, 26
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 1, 4, 8, 12, 13, 15, 22, 23, 26, 27
नवान्य भक्षण-ता. 4,12,13,23, 26, 27
जीर्ण गृह प्रवेश- ता. 12, 13, 26, 27
बीज वोवनी - ता. 10, 12, 13, 23
रोग मुक्ति स्नान- ता. 21, 22, 25

राशिफल

मेष - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
वृष- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
वृश्चिक - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 3 श्री जादूगर आनंद जन्म दिवस
ता. 5 श्री गुरु गोविंद सिंह जयंती
ता. 12 महर्षि श्री महेश योगी जयंती, स्वामी श्री विवेकानंद जयंती
ता. 14 श्री रामानन्दाचार्य जयंती।
ता. 23 नेताजी श्री सुभाषचंद्र बोस जयंती
ता. 26 गणतंत्र दिवस
ता. 30 श्री महात्मा गांधी पुण्यतिथि

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 1 को सूर्योदय से 4।17 बजे दिन तक। ता 3 को सूर्योदय से 5।45 बजे सायं तक। ता 4 को सूर्योदय से 7।13 बजे रात्रि तक। ता 8 को सूर्योदय से 4।32 बजे रात्रि तक। ता 10 को सूर्योदय से 7।4 बजे प्रातः तक। ता. 18 को सूर्योदय से 1।5 दिन तक। ता 22 को सूर्योदय से 7।24 बजे प्रातः तक। ता 26 को 12।37 बजे रात से रातअंत तक। ता 27 को 12।6 बजे रात से रातअंत तक। ता 30 को 1।11 बजे रात से रातअंत तक।
रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक। ता 2 को सूर्योदय से दिन 4।46 बजे तक। ता 4 को रात्रि 7।13 बजे से रात्रिअंत ता 5 को सूर्योदय से रात्रि 9।7 बजे तक। ता 13 को दिन 12।46 बजे से रात्रिअंत ता 14 को सूर्योदय से दिन 1।47 बजे तक। ता 23 को रात्रि 4।9 बजे से रात्रिअंत ता 24 को सूर्योदय से रात्रि 2।43 बजे तक। ता 25 को सूर्योदय से रात्रि 1।32 बजे तक। ता 26 को रात्रि 12।37 बजे से रात्रिअंत ता 27 को सूर्योदय से रात्रि 12।6 बजे तक। ता 29 को रात्रि 12।23 बजे से रात्रिअंत ता 30 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 31 को सूर्योदय से रात्रि 2।35 बजे तक। **अमृतसिद्धि योग-** ता 18 को सूर्योदय से 1।5 बजे दिन तक। ता 27 को सूर्योदय से 12।6 बजे रातअंत तक।
रविपुष्य योग- ता 8 को सूर्योदय से 4।32 बजे रातअंत तक रहेगा।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-6.42	7-6.41	13-6.39	19-6.37	25-6.34	31-6.31
सूर्यास्त	ता.	1-5.18	7-5.19	13-5.21	19-5.23	25-5.26	31-5.29

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 2 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 4 प्रदोष व्रतं
ता. 6 पूर्णिमा व्रतं, माघ स्नान प्रा.
ता. 10 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 13 लोहड़ी उत्सव
ता. 15 मकर संक्रांति स्नानदान
ता. 18 षट्तिला एकादशी व्रतं
ता. 19 प्रदोष व्रतं
ता. 21 मौनी अमावस्या
ता. 22 गुप्त नवरात्रि प्रारंभ
ता. 25 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 26 वसन्त पंचमी, सरस्वती ज.
ता. 28 अचला सप्तमी, नर्मदा ज.
ता. 30 महानंदा नवमी

PUBLIC FIRST
सर्वदा भारतीय
देश-विदेश में देखा जाने वाला नंबर-1 चैनल
चैनलहेड-आशुतोष गुप्ता

मकर संक्रांति फलं

मकर संक्रांति माघ कृष्ण अष्टमी ता. 14 को 2.52 रात से अर्की है। विशेष पुण्यकाल दूसरे दिन अर्थात 15 जनवरी रविवार को सूर्योदय से 10.52 दिन तक रहेगा। विशेष पुण्यकाल सूर्यास्त तक होगा। पुण्यकाल के समय में तीर्थस्थान, दान, जाप, गौदान, स्वर्णदान एवं गरम वस्त्रों का दान करने का महत्व है। इस संक्रांति का वाहन वराह, उपवाहन वृष है। हरित वस्त्र धारण किए, खड़ग लिए, अन्न भक्षण करती हुई, चंदन लपेटे हुए, सर्प जाति की कुमारी अवस्था में ईशान दिशा में दृष्टि डालते हुए उत्तर दिशा की ओर प्रस्थान कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से राजाओं में युद्ध भंग, तटीय क्षेत्रों में अशुभ प्रभाव, पशुओं में रोग ग्रामीण क्षेत्र में भय, चोर, लुटेरों को भय प्रदान करने वाली है।

मास फल

इस माह वक्री मंगल-बुध मार्गी होंगे। सूर्य, शुक्र, शनि का त्रिग्रही योग बनेगा। फलस्वरूप ठंड की अधिकता बढ़ेगी। माह के अंत में शीतलहर से जीवन अस्त-व्यस्त रहेगा। पश्चिमी देशों में राजनैतिक संकट गहराएगा। व्यापार में गिरावट, सोने-चांदी, शेयर के भाव में तेजी के साथ खाद्य तेलों में भी तेजी का रुख रहेगा। फल मीठे पदार्थ सस्ते होंगे। असमय बारिश हो सकती है। माह की ता. 4, 5, 9, 14, 20 उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल फोन- 0755-7964542 ₹70
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम मो.-9827322068 ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 फरवरी की

12 गु.	11 शु.श. / 10 सू. / 9 बु.	8
1 रा.		7 के.
2 मं.चं.	3 / 4 / 5	6

ग्रह परिवर्तन स्थिति

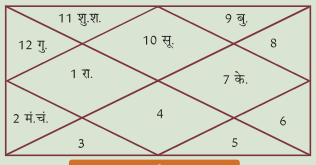

सूर्य-मकर में, ता. 13 को 1:37 दिन से कुंभ में। **मंगल**- वृष में, **बुध**- धनु में, ता. 7 को 3:35 दिन से मकर में। ता. 25 को 5:23 रात से कुंभ में। **गुरु**- मीन में, **शुक्र**- कुंभ में, ता. 15 को 2:37 दिन से मीन में। **शनि**- कुंभ में, **राहू**- मेष में, **केतु**- तुला में।

मूल ता. 5 को 11।42 बजे दिन से ता. 7 को 4।37 बजे दिन तक। ता. 14 को 9।4 बजे रात से ता. 16 को 6।41 बजे सायं तक। ता. 23 को 8।33 बजे दिन से ता. 25 को 7।44 बजे प्रातः तक ।

गुरु-शुक्र तारा - गुरु पूर्व दिशा में उदय, शुक्र पश्चिम में उदित।

सूर्य उत्तरायण

शिशिर ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 14 फरवरी की

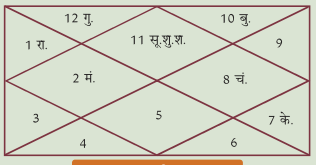

1 रा.	12 गु. / 11 सू.शु.श. / 10 बु.	9
2 मं.		8 चं.
3	4 / 5 / 6	7 के.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा वृष का, ता. 1 को 3।28 बजे दिन से मिथुन का। ता. 3 को 2।28 बजे रात से कर्क का। ता. 6 को 2।16 बजे दिन से सिंह का। ता. 8 को 1।8 बजे रात से कन्या का। ता. 11 को 9।46 बजे दिन से तुला का। ता. 13 को 3।55 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 15 को 8।1 बजे रात से धनु का। ता. 17 को 10।48 बजे रात से मकर का। ता. 19 को 1।5 बजे रात से कुंभ का। ता. 21 को 3।50 बजे रात से मीन का। ता. 24 को 7।56 बजे प्रातः से मेष का। ता. 26 को 2।12 बजे दिन से वृष का। ता. 28 को 10।53 बजे रात से मिथुन का। ता. 3 को 9।42 बजे दिन से कर्क राशि में चंद्रमा भ्रमणरत रहेगा।

शालिवाहन संवत 1944
शंकराचार्य संवत् 2529
श्री महर्षि संवत 106

फरवरी 2023

संवत् 2079
माघ-फाल्गुन मास

यह पंचांग अवश्य खरीदें। अपने परिचितों, रिश्तेदारों, संबंधियों मित्रों को भेंट करें।
पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

ता. 18 महाशिवरात्रि
यह दिन भगवान शिव को समर्पित है जिसमें चार प्रहर रात्रि जागरण के साथ शिव आराधना, हवन, अभिषेक किया जाता है।

ता. 20 सोमवती अमावस्या
सोमवार को पड़ने वाली अमावस्या को सोमवती अमावस्या कहते हैं। इस दिन विवाहित स्त्रियों द्वारा इस दिन अपने पतियों के दीर्घायु कामना के लिए व्रत का विधान है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 6, 10, 16, 24

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	11	3।16	दिन	माघ शुक्लपक्ष
2	12	4।48	सायं	
3	13	6।41	सायं	
4	14	8।47	रात	
5	15	10।57	रात	
6	1	1।00	रात	फाल्गुन कृष्णपक्ष
7	2	2।47	रात	
8	3	4।11	रात	
9	4	5।4	रात	
10	5	5।27	रात	
11	6	5।19	रात	
12	7	4।41	रात	
13	8	3।35	रात	
14	9	2।7	रात	
15	10	12।19	रात	
16	11	10।15	रात	
17	12	8।1	रात	
18	13	5।40	सायं	
19	14	3।18	दिन	
20	30	0।59	दिन	फाल्गुन शुक्लपक्ष
21	1	10।48	दिन	
22	2	8।50	प्रातः	
23	3 4	7।10	प्रातः	
24	5	4।58	रात	
25	6	4।33	रात	
26	7	4।39	रात	
27	8	5।15	रात	
28	9	दिन	रात	

पिछले पृष्ठों की उपयोगी जानकारी अवश्य पढ़ें, ये आपके ज्ञान में वृद्धि करेगी।

वार					
SUNDAY रवि	**पंचक** ता. 19 को 1।5 बजे रात से ता. 24 को 7.56 बजे प्रातः तक पंचक रहेंगे।	**5** माघी पूर्णिमा; पुष्य 11।42 दिन; संत रविदास जयंती; माघ शुक्ल 15	**12** भानु सप्तमी; स्वाती 10।6 रात; फाल्गुन कृष्ण 7	**19** रवि सायन मीने; श्रवण 11।53 दिन; छत्रपति शिवाजी जयंती; फाल्गुन कृष्ण 14	**26** कामदा सप्तमी व्रतं; भरणी 8।10 दिन; वीर सावरकर पुति; फाल्गुन शुक्ल 7
MONDAY सोम	**ज्योतिष मठ संस्थान के प्रकाशन**: पं. गौतम पंचांग; कुंभ रहस्यम्; संतान प्राप्ति रहस्यम्; नवग्रह रहस्यम्; लक्ष्मी पूजन पद्धति; वैदिक विवाह पद्धति; व्रत त्योहार निर्णय सूत्र; आयुर्वेद रहस्यम्; सौभाग्यम्; अब घर बैठे फोन करके डाक से प्राप्त करें।	**6** श्लेषा 2।16 दिन; लता मंगेशकर पुति; फाल्गुन कृष्ण 1	**13** कुंभ संक्रांति; विशाखा 9।47 रात; फाल्गुन कृष्ण 8	**20** सोमवती अमावस्या; धनिष्ठा 12।16 दिन; पंचक; फाल्गुन कृष्ण 30	**27** होलाष्टकारम्भ; कृतिका 8।46 दिन; फाल्गुन शुक्ल 8
TUESDAY मंगल		**7** मघा 4।37 दिन; फाल्गुन कृष्ण 2	**14** अनुराधा 9।4 रात; वेलेन्टाइन-डे; फाल्गुन कृष्ण 9	**21** पंचक; शतभिषा 10।48 दिन; चंद्रदर्शन; फाल्गुन शुक्ल 1	**28** मातंग योग; रोहिणी 10।02 दिन; राष्ट्रीय विज्ञान दिवस; फाल्गुन शुक्ल 9
WEDNESDAY बुध	**1** जया एकादशी व्रतं; मृगशिर 4।25 रात; चन्द्रदर्शन 2 को; माघ शुक्ल 11	**8** पू.फा. 6।39 सायं; फाल्गुन कृष्ण 3	**15** ज्येष्ठा 8।1 रात; फाल्गुन कृष्ण 10	**22** फुलरिया दोज; पूर्व भा. 9।32 दिन; पंचक; फाल्गुन शुक्ल 2	**भद्रा** ता. 4 को 8।47 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 5 को सूर्योदय से 9।56 बजे दिन ता. 8 को 3।33 बजे दिन से 4।11 बजे रात्रि ता. 11 को 5।19 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 12 को सूर्योदय से 5।03 बजे सायं ता. 15 को 1।18 बजे दिन से 12।19 बजे रात्रि ता. 18 को 5।40 बजे सायं से 4।32 बजे रात्रि। ता. 23 को 6।34 बजे सायं से 5।54 बजे रात्रि। ता. 26 को 4।39 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 27 को सूर्योदय से 4।58 बजे दिन तक।
THURSDAY गुरु	**2** प्रदोष व्रतं; आद्रा दिनरात; तिल-भीष्म द्वादशी; माघ शुक्ल 12	**9** गणेश चतुर्थी व्रतं; उ.फा. 8।15 रात; चंद्रोदय रात 8।55; फाल्गुन कृष्ण 4	**16** विजया एकादशी व्रतं; मूल 6।41 सायं; फाल्गुन कृष्ण 11	**23** गणेश चतुर्थी व्रतं; उ.भा. 8।33 दिन; मधूक तृतीया; फाल्गुन शुक्ल 3,4	
FRIDAY शुक्र	**3** आद्रा 6।37 प्रातः; माघ शुक्ल 13	**10** हस्त 9।22 रात; फाल्गुन कृष्ण 5	**17** पूर्वाषाढ़ 5।10 सायं; फाल्गुन कृष्ण 12	**24** पंचक समाप्त; रेवती 7।56 प्रातः; शबरी जयंती; फाल्गुन शुक्ल 5	
SATURDAY शनि	**4** पुनर्वसु 9।6 दिन; वीर तेजाजी जयंती; माघ शुक्ल 14	**11** चित्रा 9।58 रात; फाल्गुन कृष्ण 6	**18** प्रदोष व्रतं; उत्तराषाढ़ 3।33 दिन; महाशिवरात्रि व्रतं; फाल्गुन कृष्ण 13	**25** गोरूपणी षष्ठी; अश्विनी 7।44 प्रातः; फाल्गुन शुक्ल 6	

मुहूर्त

विवाह-ता. 1,6 से 17, 22, 23, 27, 28
कर्णभेद - ता. 3, 10, 24
मुंडन -ता. 3, 10, 15, 24
गृह प्रवेश गृहारंभ-ता. 10
अन्नप्राशन- ता.3, 8, 10, 17, 22, 23, 24
कूप खनन- ता. 22, 24
उपनयन- ता. 2, 8, 10, 22, 24
नवीन वस्त्र- ता. 3, 10, 17, 22, 24
प्रसूति स्नान- ता. 5, 12, 26
व्यापार आरंभ-ता. 10, 17, 22, 24, 27
वाहन क्रय- ता. 3, 5, 10, 12, 24
संपदा क्रय- ता. 1, 3, 6, 8, 11, 12, 13, 16, 17, 22, 25 **नामकरण**-ता. 1, 22, 23
पूंजी निवेश- ता. 3, 5, 11, 12, 24, 25
देव प्रतिष्ठा- ता. 10, 22, 24
वाटिका रोपण- ता. 5, 10, 11, 16, 17, 22, 25, 27 **शल्यक्रिया**- ता. 5, 12
औषधि सेवन- ता. 5, 11, 16, 25
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 10, 11, 24, 25
धान्य छेदन- ता. 5, 10, 12, 17, 22, 26, 27 **यात्रा**- ता. 1, 5, 10, 24
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 3, 5, 10, 12, 17, 22, 24, 27 **सीमांत पुंसवन**- ता. 5
नवान्य भक्षण -ता. 10, 17, 22, 24, 27
जीर्ण गृह प्रवेश-ता.10, 11, 17, 22, 24
बीज वोवनी - ता. 7, 11, 12, 16
रोग मुक्ति स्नान- ता. 4, 9, 14, 19

राशिफल

मेष - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 3 गुरु हरिहराय प्रभु नित्यानंद जंयती
ता. 4 विश्व कैंसर दिवस
ता. 11 पं. दीनदयाल उपाध्याय पु.ति.
ता. 15 कवि शुभद्रा कुमार चौहान पुति
ता. 19 गुरु गोलवलकर जयंती
ता. 22 स्वामी रामकृष्ण परमहंसा जयंती
ता. 27 श्री चंद्रशेखर शहीद दिवस
ता. 28 राष्ट्रीय विज्ञान दिवस,

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता 1 को सूर्योदय से 4।25 बजे रातअंत तक। ता 3 को 6।37 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता. 5 को सूर्योदय से 11।42 दिन तक। ता 18 को 3।33 बजे दिन से रातअंत तक। ता 23 को 8।33 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 24 को 7।56 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 27 को 8।46 बजे प्रातः से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 24 को सूर्योदय से 7।56 बजे प्रातः तक।

रवियोग- ता. 2 को रात्रि 6।37 बजे से रात्रिअंत, ता 3 को प्रातः 6।37 बजे से रात्रिअंत तक। ता 4 को सूर्योदय से दिन 9।6 बजे तक। ता 11 को रात्रि 9।58 बजे से रात्रिअंत तक। ता 12 को सूर्योदय से रात्रि 10। 6 बजे तक। ता 23 को प्रातः 8।33 बजे से रात्रिअंत तक। ता 24 को सूर्योदय से प्रातः 7।56 बजे तक। ता 25 को प्रातः 7।44 बजे से रात्रिअंत तक। ता 26 को सूर्योदय से प्रातः 8।0 बजे तक। ता. 28 को दिन 10।05 बजे से रात्रिअंत तक।

रविपुष्य योग- ता 5 को सूर्योदय से 11।42 बजे दिन तक।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-6.31	7-6.27	13-6.24	19-6.20	25-6.16	28-6.14
सूर्यास्त	ता.	1-5.29	7-5.33	13-5.36	19-5.40	25-5.44	28-5.46

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 जया एकादशी व्रतं
ता. 2 प्रदोष व्रतं, तिल द्वादशी
ता. 5 माघी पूर्णिमा
ता. 9 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 12 भानु सप्तमी
ता. 16 विजया एकादशी व्रतं
ता. 18 प्रदोष व्रतं, महाशिवरात्रि
ता. 20 सोमवती अमावस्या
ता. 22 फुलरिया दोज
ता. 23 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 25 गोरूपणी षष्ठी
ता. 26 विष्णु सप्तमी व्रतं
ता. 27 होलाष्टकारम्भ

ज्योतिष मठ संस्थान प्रकाशन

लेखक - पं. विनोद गौतम

यह पंचांग परिचितों, संबंधियों इष्ट मित्रों को भेंट करें।
- पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

कुंभ संक्रांति फलं

कुंभ संक्रांति ता. 13 को 1।37 दिन से सूर्य भगवान कुंभ राशि में प्रवेश करेंगे। ध्वांक्षी संज्ञक संक्रांति व्यापारी वर्ग एवं उद्योगपति वर्ग को शुभकारी है। पशुओं के लिए सुखद संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में गिरावट के संकेत हैं। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन पर सवार होकर अश्व उपवाहन लिए, पीत वस्त्र धारण किए गदा लिए हुए, खीर भक्षण करती हुए भूत वर्ण की बाल्यावस्था में प्रवेश करेगी। संक्रांति के प्रभाव से सभी वस्तुओं के भाव स्थिर रहेंगे।

मास फल

इस माह सूर्य, शनि की युति रहेगी। ग्रह स्थिति अनुसार अंतरिक्ष में उत्पात दुर्घटना की संभावना है। इसी बीच भारतीय सत्ता पक्ष को विषम समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अशांति भंग होने के योग बनेंगे। कुछ स्थानों में बूंदाबांदी से ठंड बढ़ सकती है। पूर्वोत्तर में शीत लहर से जनजीवन अस्त-व्यस्त होगा। चीनी गुड़ के भाव में घटा-बढ़ी संभव है। शनि का राशि परिवर्तन मीन राशि पर साढ़े साती का प्रभाव प्रारंभ करेगा। मप्र, राजस्थान में राजनैतिक सत्ता परिवर्तन के योग हैं। इस माह की ता. 3, 7, 12, 18 अशांतिकारक हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 मार्च की

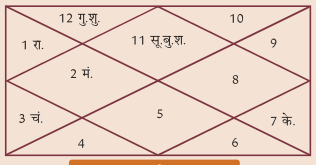

12 गु.शु.	11 सू.बु.श.	10
1 रा.		9
2 मं.		8
3 चं.	5	7 के.
4		6

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- कुंभ में, ता. 15 को 8:51 दिन से मीन में। **मंगल**- वृष में, ता. 14 को 6:45 प्रातः से मिथुन में। **बुध**- कुंभ में, ता. 14 को 1:09 दिन से मीन में। ता. 31 को 2:16 रात से मेष में। **गुरु**- मीन में, **शुक्र**- मीन में, ता. 12 को 9:34 दिन से मेष में। **शनि** - कुंभ में, **राहू**- मेष में, **केतु**- तुला राशि में।

मूल ता. 4 को 6।55 सायं से ता. 6 को 11।55 रात तक। ता. 13 को 5।4 रात से ता. 15 को 2।47 रात तक। ता. 22 को 4।32 दिन से ता. 24 को 3।33 दिन तक। ता. 31 को 2।7 रात से प्रारंभ। (मूल शांति कराने से अनिष्ठ दोष दूर होता है)

गुरु-शुक्र तारा - गुरु पूर्व में उदित, शुक्र पश्चिम में उदित।

ज्योतिष मठ संस्थान

गौतम पंचांग

सूर्य उत्तरायण

शिशिर ऋतु
ता. 15 से बसंत ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 16 मार्च की

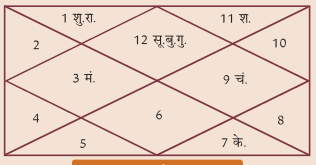

1 शु.रा.	12 सू.बु.गु.	11 श.
2		10
3 मं.		9 चं.
4	6	8
5		7 के.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

तारीख 3 को 9।42 बजे दिन से कर्क का। ता. 5 को 9।30 बजे रात से सिंह का। ता. 8 को 8।31 बजे प्रातः से कन्या का। ता. 10 को 5। 22 बजे सायं से तुला का। ता. 12 को 11।48 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 14 को 4।4 बजे रात से धनु का। ता. 17 को 6।56 बजे प्रातः से मकर का। ता. 19 को 9।13 बजे दिन से कुंभ का। ता. 21 को 11।54 बजे दिन से मीन का। ता. 23 को 3।51 बजे दिन से मेष का। ता. 25 को 9।52 बजे रात से वृष का। ता. 28 को 6।13 बजे प्रातः से मिथुन का। ता. 30 को 4।58 बजे सायं से कर्क राशि का चंद्रमा रहेगा।

ता. 7 मार्च होलिका दहन

धर्म सिंधु पृष्ठ 229 के अनुसार प्रतिपदा युक्त पूर्णिमा साढ़े तीन प्रहर से ऊपर होने पर प्रदोष व्यापिनी प्रतिपदा में होलिका दहन करना शास्त्र सम्मत है, परन्तु भद्रायुक्त पूर्णिमा को होलिका दहन वर्जित है। अतः होलिका दहन ता. 7 को प्रदोषकाल के बाद होगा तथा 8 को होलिकोत्सव होगा।

ता. 22 वासन्तीय नवरात्र प्रारंभ

इस दिन शक्ति की घट स्थापना के साथ नवरात्र व्रत प्रारंभ होंगे। इसी दिन हिन्दू नववर्ष 2080 का शुभारंभ भी होगा।

शिव वास अग्नि वास

इस माह ता. 4, 5, 11, 15, 19, 22, 29 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेगा।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	9	6।19	प्रात:	फाल्गुन शुक्ल पक्ष
2	10	7।52	प्रात:	
3	11	9।45	दिन	
4	12	11।51	दिन	
5	13	1।58	दिन	
6	14	3।57	दिन	
7	15	5।39	सायं	
8	1	6।58	रात	चैत्र कृष्ण पक्ष
9	2	7।48	रात	
10	3	8।7	रात	
11	4	7।55	रात	
12	5	7।14	रात	
13	6	6।6	सायं	
14	7	4।36	दिन	
15	8	2।45	दिन	
16	9	12।40	दिन	
17	10	10।24	दिन	
18	11 12	8।1	प्रात:	
19	13	3।17	रात	
20	14	1।7	रात	
21	30	1।19	रात	
22	1	9।29	रात	चैत्र शुक्ल पक्ष
23	2	8।11	रात	
24	3	7।17	रात	
25	4	6।52	रात	
26	5	6।56	रात	
27	6	7।31	रात	
28	7	8।36	रात	
29	8	10।7	रात	
30	9	11।58	रात	
31	10	2।1	रात	

शालिवाहन संवत 1944-45
शंकराचार्य संवत् 2529
श्री महर्षि संवत 106

मार्च 2023

संवत् 2079-80
फाल्गुन-चैत्र मास

भद्रा

ता. 2 को 8।49 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 3 को सूर्योदय से 9।45 बजे दिन ता. 6 को 3।57 बजे दिन से 4।54 बजे रात्रि ता. 10 को 8।04 बजे दिन से 8।7 बजे रात्रि तक। ता. 13 को 6।6 बजे सायं से 5।28 बजे रात्रि। ता. 16 को 11।36 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 17 को सूर्योदय से 10।24 बजे दिन ता. 19 को 3।17 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 20 को सूर्योदय से 2।14 बजे दिन ता. 25 को 7।00 बजे प्रातः से 6।52 बजे सायं ता. 28 को 8।36 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 29 को सूर्योदय से 9।20 बजे दिन तक भद्रा रहेगी।

वार					
SUNDAY रवि	(भद्रा)	नन्द त्रयोदशी श्लेषा 9।30 रात **5** फाल्गुन शुक्ल 13	रंग पंचमी विशाखा 5।43 रात **12** चैत्र कृष्ण 5	प्रदोष व्रतं धनिष्ठा 8।23 रात **19** पंचक प्रारंभ, वारुण पर्व चैत्र कृष्ण 13	श्रीराम राज महोत्सव कृतिका 4।22 दिन **26** गुहराज निषाद जयंती चैत्र शुक्ल 5
MONDAY सोम	(भद्रा)	होलिका दहन (पंचांगभेद) मघा 11।55 रात **6** चौमासी चौदस (जैन) फाल्गुन शुक्ल 14	एकनाथ षष्ठी अनुराधा 5।4 रात **13** चैत्र कृष्ण 6	शिव चतुर्दशी शतभिषा 6।53 सायं **20** रानी अवंतीबाई बलिदान दि. चैत्र कृष्ण 14	स्कन्द षष्ठी रोहिणी 5।30 सायं **27** सूर्य षष्ठी चैत्र शुक्ल 6
TUESDAY मंगल	(भद्रा)	होलिका दहन पू.फा. 2।02 रात **7** स्नानदान पूर्णिमा फाल्गुन शुक्ल 15	बुढ़वा मंगल ज्येष्ठा 4।4 रात **14** भानु सप्तमी चैत्र कृष्ण 7	स्नानदान अमावस्या पूर्व भा. 5।34 सायं **21** विश्व वानिकी दिवस चैत्र कृष्ण 30	कमला सप्तमी मृगशिर 7।8 रात **28** निशा पूजा चैत्र शुक्ल 7
WEDNESDAY बुध	अमृत योग मृगशिर 11।46 दिन **1** फाल्गुन शुक्ल 9	होली उत्सव उ.फा. 3।43 रात **8** वसन्तोत्सव, होलाष्टक समाप्त चैत्र कृष्ण 1	शीतलाष्टमी मूल 2।47 रात **15** मीन संक्रांति खर मास प्रारंभ चैत्र कृष्ण 8	वासन्तीय नवरात्रारंभ हिन्दू नववर्ष प्रारंभ उ.भा. 4।32 दिन **22** कलश स्थापनं, गुड़ी पड़वा चैत्र शुक्ल 1	दुर्गाष्टमी व्रतं आद्रा 9।11 रात **29** महाष्टमी व्रतं चैत्र शुक्ल 8
THURSDAY गुरु	फगू दशमी आद्रा 1।54 दिन **2** फाल्गुन शुक्ल 10	भाई दोज हस्त 4।58 रात **9** चित्रगुप्त पूजा चैत्र कृष्ण 2	पूर्वाषाढ़ 1।18 रात **16** सौर चैत्र मासारंभ चैत्र कृष्ण 9	सिंधी नववर्षारंभ, सिंघारा दूज रेवती 3।51 दिन **23** झूलेलाल जयंती, चैटीचंड चैत्र शुक्ल 2	श्री रामनवमी पुनर्वसु 11।33 रात **30** श्रीराम प्रकटोत्सव चैत्र शुक्ल 9
FRIDAY शुक्र	एकादशी व्रतं सर्वेसाम पुनर्वसु 4।19 दिन **3** रंगभरी ग्यारस फाल्गुन शुक्ल 11	गणेश चतुर्थी व्रतं चित्रा 5।42 रात **10** चंद्रोदय 8।38 रात चैत्र कृष्ण 3	एकादशी व्रतं स्मार्त उत्तराषाढ़ 11।41 रात **17** चैत्र कृष्ण 10	गणगौर तृतीया अश्विनी 3।33 दिन **24** सौभाग्य सुंदरी चैत्र शुक्ल 3	नवरात्र व्रतं पारणा पुष्य 2।7 रात **31** ज्वारे विसर्जन चैत्र शुक्ल 10
SATURDAY शनि	शनि प्रदोष व्रतं पुष्य 6।55 सायं **4** गोविंद द्वादशी व्रतं फाल्गुन शुक्ल 12	सिद्धि योग स्वाती 5।56 रात **11** गणेश चतुर्थी पंचांगभेद चैत्र कृष्ण 4	एकादशी व्रतं वैष्णव श्रवण 10।11 रात **18** मां कर्मादेवी जयंती चैत्र कृष्ण 11,12	वैनायकी चतुर्थी व्रतं भरणी 3।43 दिन **25** गुरु अंगदेव पुण्यतिथि चैत्र शुक्ल 4	**पंचक** तारीख 19 को 9।15 बजे दिन से ता. 23 को पंचक 3।51 बजे दिन तक पंचक रहेंगे।

मुहूर्त

विवाह- ता. 1 से 9, 11, 13, 14
नामकरण- ता. 1, 2, 8, 9, 22, 23
अक्षरारंभ- ता. 24 **कूप खनन**- ता. 23
अन्नप्राशन- ता. 1, 8, 9, 10, 17, 23, 24, 31 **गृहारंभ**- ता. 3, 4
सीमांत पुंसवन- ता. 9 **उपनयन**- ता. 1, 2, 3 **नवीन वस्त्र**- ता. 2, 8, 9, 24
प्रसूति स्नान- ता. 2, 7, 9, 27, 28
व्यापार आरंभ- ता. 8, 9, 23, 24, 27
वाहन क्रय-ता.1,9, 13, 18, 23, 24, 27
संपदा क्रय- ता. 1, 6, 13, 15, 16, 18, 22, 23, 24, 27
पूंजी निवेश- ता. 1, 12, 13, 18, 23, 24, 27, 28 **बीज वोवनी** - ता. 9, 13
देव प्रतिष्ठा- ता. 1, 6, 9
शल्यक्रिया- ता. 9, 14, 23, 26, 28
वाटिका रोपण- ता. 1, 8, 9, 12, 13, 24, 26, 27, 28
औषधि सेवन- ता. 1, 9, 18, 28
राज्यसेवा ग्रहण-ता. 9, 13, 23, 24, 27
धान्य छेदन- ता. 1,6, 8, 9, 16, 26, 28
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 1, 8, 9, 13, 23, 24, 26, 27
नवान्य भक्षण - ता. 1, 8, 9, 13, 23, 24, 27 **यात्रा**- ता. 1, 9, 18, 24, 28
रोग मुक्ति स्नान- ता. 16, 18, 21, 25

राशिफल

मेष - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृष- व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
मिथुन - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 7 श्री चेतन्य महाप्रभु जयंती
ता. 10 सावित्री फुलेबाई पुण्यतिथि
ता. 15 उपभोक्ता संरक्षण दिवस
ता. 22 विक्रम संवत 2080 प्रारंभ, ज्योतिष दिवस
ता. 23 श्री सरदार भगतसिंह आदि श.दि.
ता. 25 श्री गणेश शंकर विद्यार्थी दिवस
ता. 26 श्री गुरु हरगोविंद पुण्यतिथि

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता 1 को सूर्योदय से 11।46 बजे दिन तक। ता 2 को 1।54 बजे दिन से रातअंत तक। ता 3 को सूर्योदय से 4।19 बजे दिन तक। ता 11 को सूर्योदय से 5।56 बजे रातअंत तक। ता 13 को सूर्योदय से 5।4 बजे रातअंत तक। ता 17 को 11।41 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 18 को सूर्योदय से 10।1 बजे रात्रि तक। ता 21 को 5।34 बजे सायं से रातअंत तक। ता 23 को सूर्योदय से 3।51 बजे दिन तक। ता 24 को सूर्योदय से 3।33 बजे दिन तक। ता 27 को सूर्योदय से 5।30 बजे सायं तक। ता 30 को सूर्योदय से 11।33 बजे रात्रि तक।

रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 2 को सूर्योदय से दिन 1।54 बजे तक। ता 4 को सायं 6।55 बजे से रात्रिअंत ता 5 को सूर्योदय से दिन 9।8 बजे तक। ता 6 को सूर्योदय से रात्रि 11।55 बजे तक। ता 12 को रात्रि 5।43 बजे से रात्रिअंत ता 13 को सूर्योदय से रात्रि 5।4 बजे तक। ता 24 को दिन 3।33 बजे से रात्रिअंत ता 25 को सूर्योदय से दिन 3।43 बजे तक। ता 26 को दिन 4।22 बजे से रात्रिअंत, ता 27 को सूर्योदय से सायं 5।30 बजे तक, ता 29 को रात्रि 9।11 बजे से रात्रिअंत ता 30 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक, ता 31 को सूर्योदय से रात्रि 2।7 बजे तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 27 को 5।30 बजे सायं से रातअंत तक। ता 30 को 11।33 बजे रात्रि से रातअंत तक। **पुष्य नक्षत्र** - ता. 3 को 4।19 दिन से तारीख 4 को 6।55 सायं तक।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-6.13	7-6.09	13-6.05	19-6.01	25-5.57	30-5,54
सूर्यास्त	ता.	1-5.47	7-5.51	13-5.55	19-5.59	25-6.03	30-6.06

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 3 आमलकी एकादशी व्रतं
ता. 4 प्रदोष व्रतं, गोविंद द्वादशी
ता. 5 नन्द त्रयोदशी
ता. 7 होलिका दहन, पूर्णिमा
ता. 8 होली उत्सव, वसन्तोत्सव
ता. 9 भाई दोज, चित्रगुप्त पूजा
ता. 10 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 12 रंग पंचमी
ता. 13 एकनाथ षष्ठी
ता. 15 शीतला अष्टमी

ज्योतिष मठ संस्थान प्रकाशन
अथ वैदिक विवाह पद्धति

लेखक - पं.अयोध्या प्रसाद गौतम

ता. 18 पापमोचनी एकादशी व्रतं
ता. 19 प्रदोष व्रतं, वारुण पर्व
ता. 21 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 22 वासन्तीय नवरात्रारंभ
ता. 23 चैटीचंड, सिंघारा दोज
ता. 24 गणगौर सौभाग्य तृतीया व्रतं
ता. 25 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 27 स्कन्द षष्ठी
ता. 29 दुर्गाष्टमी व्रतं
ता. 30 श्री रामनवमी

मीन संक्रांति फलं

मीन संक्रांति - चैत्र कृष्ण अष्टमी बुधवार ता. 15 को 8।51 दिन से सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेंगे। वार नाम मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति राजाओं एवं क्षत्रीय वर्ग को सुखद है। मूल नक्षत्रे राक्षसी संज्ञक संक्रांति चंडाल वर्ग को सुखद है। यह संक्रांति वराह वाहन पर बैठी हुई मेष उपवाहन लिए हुए हरित वस्त्र धारण किए, ताम्रपात्र में भोजन करती हुई सर्प जाति की कुमारी अवस्था में चलती हुई प्रवेश कर रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अनाज के मूल्यों में स्थिरता रहेगी। परन्तु रस पदार्थ एवं धान्यादि के मूल्य में तेजी के संकेत हैं।

मास फल

इस माह कुंभ राशि पर सूर्य-बुध-शनि का त्रिग्रही योग बनेगा। गुरु-शुक्र की युति रहेगी। ग्रहों के प्रभाव से विश्व व्यापार में सुधार होगा। दक्षिणी राज्यों में चक्रवात, सुनामी आदि से हानि हो सकती है। तटीय क्षेत्रों में सैनिक कार्यवाही होगी। शुक्र राहू का योग तापमान में वृद्धिकारक है। सोना-चांदी, पीतल आदि में तेजी रंगीन वस्त्र, फल, आलू, मेवे-काजू आदि में महंगाई बढ़ेगी। सरसों आदि खाद्य तेलों में मूल्य वृद्धि की संभावना है। बारिश से परेशानी होगी। माह ता. 12, 18, 21, 26 उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम   ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com   website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य उत्तरायन

बसंत/ग्रीष्म ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अप्रैल की

भाव	ग्रह
1	बु.शु.रा.
2	
3	मं.
4	चं.
5	
6	
7	के.
8	
9	
10	
11	श.
12	सू.गु.

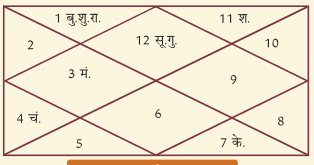

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य–मीन में, ता. 14 को 4:57 दिन से मेष में। **मंगल** – मिथुन में, **बुध** – मेष में, ता. 22 को वक्री, **गुरु**– मीन में, ता. 19 को 7:15 प्रातः से मेष में। **शुक्र** – मेष में, ता. 6 को 3:0 दिन से वृष में। **शनि**– कुंभ में, **राहू**– मेष में, **केतु**– तुला में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को दिनरात, ता. 3 को 7।11 प्रातः तक। ता. 10 को 1।1 दिन से ता. 12 को 10।53 दिन तक। ता. 18 को 12।32 रात से ता. 20 को 11।22 रात तक। ता. 28 को 9।20 दिन से ता. 30 को 2।26 दिन तक।

तारा उदय-अस्त – ता. 1 को गुरु अस्त पूर्व में, ता. 29 को गुरु उदय पूर्व में, शुक्र पश्चिम दिशा में उदय।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 15 अप्रैल की

भाव	ग्रह
1	सू.बु.रा.
2	शु.
3	मं.
4	
5	
6	
7	के.
8	
9	
10	चं.
11	श.
12	गु.

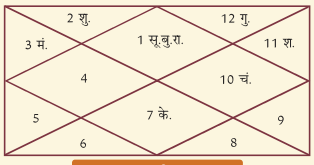

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 1 को 4।44 बजे रात से सिंह का। ता. 4 को 3।52 बजे दिन से कन्या का। ता. 6 को 1।1 बजे रात से तुला का। ता. 9 को 7।40 बजे प्रातः से वृश्चिक का। ता. 11 को 12।5 बजे दिन से धनु का। ता. 13 को 3।3 बजे दिन से मकर का। ता. 15 को 5।22 बजे सायं से कुंभ का। ता. 17 को 7।58 बजे रात से मीन का। ता. 19 को 11।45 बजे रात से मेष का। ता. 21 को 5।30 बजे रात से वृष का। ता. 24 को 1।44 बजे दिन से मिथुन का। ता. 26 को 12।13 बजे रात से कर्क का। ता. 29 को 11।56 बजे दिन से सिंह राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2529-30
श्री महर्षि संवत 106

अप्रैल 2023

संवत् 2080
चैत्र-वैशाख मास

ता. 22 अक्षय तृतीया/श्री परशुराम प्रकटोत्सव
इस दिन भगवान परशुराम का अवतरण हुआ था। अक्षय तृतीया को किए गए कार्य अक्षय रहते हैं। इस दिन मांगलिक कार्यों हेतु अबूझ मुहूर्त रहता है।

ता. 25 आदि गुरु शंकराचार्य जयंती
आदि गुरु शंकराचार्य भगवान शिव अवतार के थे। उन्होंने अद्वैत वेदांत के दर्शन का विस्तार किया। उन्होंने उपनिषदों, भगवद गीता और ब्रह्मसूत्रों के प्राथमिक सिद्धांतों जैसे हिंदू धर्मग्रंथों की व्याख्या एवं पुनर्व्याख्या की। उन्होंने भारत में चार मठों की स्थापना भी की।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 3, 7, 14, 21, 23, 27 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	11	4।6	रात	चैत्र शुक्लपक्ष
2	12	दिन	रात	
3	12	6।3	प्रातः	
4	13	7।42	प्रातः	
5	14	8।58	दिन	
6	15	9।47	दिन	
7	1	9।59	दिन	वैसाख कृष्ण पक्ष
8	2	9।45	दिन	
9	3	9।2	दिन	
10	4	7।53	प्रातः	
11	5 6	6।18	प्रातः	
12	7	2।18	रात	
13	8	11।59	रात	
14	9	9।34	रात	
15	10	7।9	रात	
16	11	4।48	सायं	
17	12	2।35	दिन	
18	13	12।36	दिन	
19	14	10।54	दिन	
20	30	9।32	दिन	
21	1	8।37	प्रातः	वैसाख शुक्ल पक्ष
22	2	8।10	प्रातः	
23	3	8।13	प्रातः	
24	4	8।47	प्रातः	
25	5	9।49	दिन	
26	6	11।20	दिन	
27	7	1।9	दिन	
28	8	3।9	दिन	
29	9	5।12	सायं	
30	10	7।6	रात	

पिछले पेज अवश्य पढ़ें

वार					
SUNDAY रवि	यमघंट योग; मघा 2।26 दिन; **30**; राम जयंती; वैसाख शुक्ल 10	एकादशी व्रतं (वैष्णव); मघा दिनरात; **2**; मीन खरमास, राम मंदे; चैत्र शुक्ल 12	संकष्ठी गणेश चतुर्थी; विशाखा 1।34 दिन; **9**; चंद्रोदय रात्रि 9।30; वैसाख कृष्ण 3	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; शतभिषा 2।59 रात; **16**; वल्लभाचार्य जयंती; वैसाख कृष्ण 11	अक्षय तृतीया पंचांग भेद; रोहिणी 1।01 रात; **23**; गणेश चतुर्थी व्रतं; वैसाख शुक्ल 3
MONDAY सोम	**भद्रा** तारीख 5 को 8।58 बजे दिन से 9।29 बजे रात्रि ता. 8 को 9।29 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 9 को सूर्योदय से 9।2 बजे दिन ता. 12 को सूर्योदय से 3।25 बजे दिन ता. 15 को 8।23 बजे दिन से 7।9 बजे रात्रि ता. 18 को 12।36 बजे दिन से 11।46 बजे रात्रि ता. 23 को 8।33 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 24 को सूर्योदय से 8।47 बजे दिन तक ता. 27 को 1।9 बजे दिन से 2।13 बजे रात्रि तक।	सोम प्रदोष व्रतं; मघा 7।11 प्रातः; **3**; चैत्र शुक्ल 12	मानस योग; अनुराधा 1।1 दिन; **10**; डॉ. हैनीमैन जयंती; वैसाख कृष्ण 4	सोम प्रदोष व्रतं; पूर्व भा. 1।38 रात; **17**; सेन जयंती; वैसाख कृष्ण 12	आनंद योग; मृगशिर 2।30 रात; **24**; वैसाख शुक्ल 4
TUESDAY मंगल		पू.फा. 9।22 दिन; **4**; महावीर स्वामी जयंती (जैन); चैत्र शुक्ल 13	ज्येष्ठा 12।5 दिन; **11**; ज्योतिराव फूले जयंती; वैसाख कृष्ण 5,6	मास शिवरात्रि; उ.भा. 12।32 रात; **18**; पंचक; वैसाख कृष्ण 13	चर योग; आर्द्रा 4।29 रात; **25**; आदिशंकराचार्य जयंती; वैसाख शुक्ल 5
WEDNESDAY बुध		व्रत की पूर्णिमा; उ.फा. 11।11 दिन; **5**; चैत्र शुक्ल 14	ध्वज योग; मूल 10।53 दिन; **12**; गुरु अर्जुनदेव जयंती; वैसाख कृष्ण 7	श्राद्ध अमावस्या; रेवती 11।45 रात; **19**; पंचक समाप्त; वैसाख कृष्ण 14	चंदन षष्ठी; पुनर्वसु दिनरात; **26**; श्री रामानुजाचार्य जयंती; वैसाख शुक्ल 6
THURSDAY गुरु		स्नानदान पूर्णिमा; हस्त 12।32 दिन; **6**; हनुमान जन्मोत्सव; चैत्र शुक्ल 15	शीतला अष्टमी व्रतं; पूर्वाषाढ़ 9।26 दिन; **13**; संत कंवरराम जयंती; वैसाख कृष्ण 8	सतुवाई अमावस्या; अश्विनी 11।22 रात; **20**; सूर्यग्रहण विदेशों में; वैसाख कृष्ण 30	गंगासप्तमी, शर्करासप्तमी; पुनर्वसु 6।47 प्रातः; **27**; चित्रगुप्त प्रकटोत्सव; वैसाख शुक्ल 7
FRIDAY शुक्र	**पंचक** तारीख 15 को 5 बजकर 24 मिनिट सायं से तारीख 19 को 11 बजकर 45 मिनिट रात तक पंचक रहेंगे।	गलन्तिका बंधन; चित्रा 1।20 दिन; **7**; गुड फ्रायडे; वैसाख कृष्ण 1	चंडिका नवमी; उत्तराषाढ़ 7।50 प्रातः; **14**; खरमास समाप्त; वैसाख कृष्ण 9	चंद्रदर्शन; भरणी 11।26 रात; **21**; गुरु अंगदेव जयंती; वैसाख शुक्ल 1	उत्पात योग; पुष्य 9।20 दिन; **28**; वैसाख शुक्ल 8
SATURDAY शनि	एकादशी व्रतं (स्मार्त); श्लेषा 4।44 रात; **1**; अप्रैल फूल दिवस; चैत्र शुक्ल 11	सिद्‌धि योग; स्वाती 1।40 दिन; **8**; विश्व बंजारा दिवस; वैसाख कृष्ण 2	सुस्थिर योग; श्रव., धनि. 6।10 प्रातः; **15**; बंगला सन 1430 प्रा.; वैसाख कृष्ण 10	अक्षय तृतिया; कृतिका 11।58 रात; **22**; परशुराम जन्मोत्सव प्रदोष में; वैसाख शुक्ल 2	जानकी, चंडिकानवमी; श्लेषा 11।56 दिन; **29**; सीता नवमी; वैसाख शुक्ल 9

मुहूर्त

विवाह- मुहूर्त नहीं (गुरु अस्त)
नामकरण- ता. 6, 10, 20, 24, 26-27
अक्षरारंभ- ता. 10 **कूप खनन**- ता. 10
अन्नप्राशन- ता. 7, 26, 27
सीमांत पुंसवन- ता. 6, 11
नवीन वस्त्र- ता. 5, 6, 7, 13
प्रसूति स्नान- ता. 6,11, 13, 23
व्यापार आरंभ- ता. 5, 6, 7, 13
वाहन क्रय- ता. 5, 24
संपदा क्रय- ता. 3, 8, 10, 12, 24
पूंजी निवेश- ता. 7 से 10, 15, 24
शल्यक्रिया- ता. 6, 11, 22, 23
वाटिका रोपण- ता. 5, 6, 7, 9, 10, 11, 12, 13, 22, 23, 24
औषधि सेवन- ता. 5, 6, 11, 12, 15
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 6, 7, 10
धान्य छेदन- ता. 2, 3, 5, 6, 7, 13, 17, 21, 24, 30
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 6, 7, 10, 13, 22, 23, 24 **कर्णभेद** - ता. 7, 10, 24
उपनयन- ता. 1, 7, 10, 21, 22, 29, 31 **रोग मुक्ति** - ता. 20
नवान्य भक्षण - ता. 5, 6, 7, 10, 13, 24 **यात्रा**- ता. 6, 10, 15, 24
बीज वोवनी - ता. 2, 3, 6, 8, 10, 11, 13, 30

राशिफल

मेष – स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक -मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
मीन- भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 वित्तीय वर्ष प्रारंभ, मूर्ख दिवस
ता. 4 महावीर जयंती (जैन)
ता. 7 विश्व स्वास्थ्य दिवस
ता. 13 जलियावाला बाग दिवस
ता. 14 डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती
ता. 16 वल्लभाचार्य जयंती
ता. 22 विश्व पृथ्वी दिवस
ता. 25 विश्व मलेरिया जागरूकता दिवस

शुभ योग

सर्वार्थसिद्धि योग- ता. 5 को 11।11 बजे दिन से रातअंत तक। ता. 8 को सूर्योदय से 1।40 बजे दिन तक। ता. 10 को सूर्योदय से 1।1 बजे दिन तक। ता. 14 को 7।50 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता. 15 को सूर्योदय से 6।10 बजे प्रातः तक। ता 18 को सूर्योदय से 12।32 बजे रातअंत तक। ता 20 को सूर्योदय से 11।22 बजे रात्रि तक। ता. 24 को सूर्योदय से 2।30 रात तक। ता 27 को सूर्योदय से रात अंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता. 22 को 11।58 बजे रात से रातअंत तक। ता 24 को सूर्योदय से 2।30 बजे रातअंत तक। ता 27 को 6।47 बजे प्रातः से रातअंत तक।

रवियोग- ता. 1 को सूर्योदय से रात्रि 4।44 बजे तक। ता 4 को दिन 9।22 बजे से रात्रिअंत ता 5 को सूर्योदय से दिन 11।11 बजे तक। ता 11 को दिन 12।5 बजे से रात्रिअंत ता 12 को सूर्योदय से दिन 10।53 बजे तक। ता 22 को रात्रि 11।58 बजे से रात्रिअंत ता 23 को सूर्योदय से रात्रि 1।1 बजे तक। ता 24 को रात्रि 2।30 बजे से रात्रिअंत ता 25 को सूर्योदय से रात्रि 4।29 बजे तक। ता 29 को दिन 11।56 बजे से रात्रिअंत ता 30 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक।

पुष्य नक्षत्र - ता. 27 को 6।47 प्रातः से ता. 28 को 9।20 दिन तक।

भोपाल							
सूर्योदय	ता.	1-5.53	7-5.48	13-5.45	19-5.41	25-5.37	30-5.34
सूर्यास्त	ता.	1-6.07	7-6.12	13-6.15	19-6.19	25-6.23	30-6.26

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 कामदा एकादशी व्रतं
ता. 2 मदन द्वादशी
ता. 3 सोम प्रदोष व्रतं
ता. 4 महावीर जयंती (जैन)
ता. 5 व्रत की पूर्णिमा
ता. 6 स्नानदान पूर्णिमा, हनुमान जन्मोत्सव
ता. 9 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 13 शीतला अष्टमी, कालाष्टमी
ता. 14 चण्डिका नवमी
ता. 16 वरूथिनी एकादशी व्रतं

ता. 17 प्रदोष व्रतं
ता. 19 श्राद्ध अमावस्या
ता. 20 स्नादान सतुवाई अमावस्या रवि सायन वृषे
ता. 22 अक्षय तृतिया, युगादितिथि
ता. 23 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 27 गंगासप्तमी, शर्करासप्तमी
ता. 29 जानकी, चण्डिकानवमी

इस पंचांग में वर्णित पिछले पृष्ठ का ज्ञान अवश्य पढ़ें।

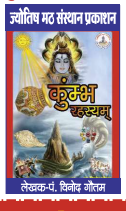

मेष संक्रांति फलं

मेष संक्रांति - वैशाख कृष्ण 9 शुक्रवार ता. 14 को 4:57 बजे दिन से सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेंगे। मिश्रक संज्ञक संक्रांति पशुपालक तत्संबंधी उत्पादक, तस्करों, जमाखोरों के लिए सुखद रहेगी। यह संक्रांति हाथी पर सवार होकर गदा उपवाहन लिए हुए, लाल वस्त्र धारण किए लोहे के पात्र में खीर भक्षण करती हुई पशु वर्ण की प्रौढ़ावस्था में विश्राम मुद्रा में प्रवेश करेगी। इस संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव स्थिर रहेंगे, खट्टे रस पदार्थ आम आदि की पैदावार बढ़ने की संभावना है। अचानक हवा-बारिश से हानि हो सकती है।

मास फल

इस माह मेष राशि पर बुध, सूर्य, राहु का त्रिग्रही योग रहेगा। ग्रह स्थिति के अनुसार शुक्र राहु पर शनि की दृष्टि होने से सीमावर्ती, तटीय राज्यों में संघर्ष हो सकती है। जनता में भय की वृद्‌धि होगी, पूवी-दक्षिणी क्षेत्र में तूफानी हवा चलने के संकेत ग्रह दे रहे हैं। इसी दौरान ओलावृष्टि से फसलों में हानि होगी। मिथुन राशि का मंगल व्यापारियों में संघर्ष कराएगा। राजनीति के क्षेत्र में तनाव, संघर्ष, अशांतिमय स्थितियां निर्मित हो सकती हैं। दल-बदल का बोलबाला रहेगा। इस माह ता. 1, 22, 26 उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य उत्तरायन — ग्रीष्म ऋतु

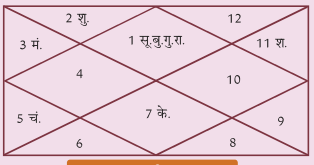

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 मई की

2 शु.	1 सू.बु.गु.रा.	12
3 मं.	4	11 श.
	10	
5 चं.	7 के.	9
6		8

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- मेष में, ता. 15 को 3:17 दिन से वृष में। **मंगल** - मिथुन में, ता. 12 को 11:35 रात से कर्क में। **बुध** - मेष राशि में वक्री, **गुरु**- मेष में, **शुक्र** - वृष में, ता. 2 को 4:57 दिन से मिथुन में। ता. 30 को 3:58 दिन से कर्क में। **शनि** - कुंभ में, **राहू** - मेष में, **केतु**- तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 7 को 8।56 रात से ता. 9 को 6।56 सायं तक। ता. 16 को 8।30 दिन से ता. 18 को 7।10 प्रातः तक। ता. 25 को 4।34 दिन से ता. 27 को 9।41 रात तक।

तारा उदय-अस्त - अगस्त तारा अस्त रात्रि में 4।37 बजे, गुरु पूर्व में, शुक्र पश्चिम दिशा में उदित।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 16 मई की

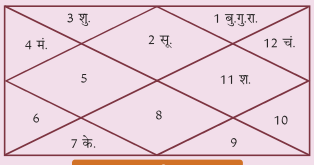

3 शु.	2 सू.	1 बु.गु.रा.
4 मं.	5	12 चं.
	11 श.	
6	8	10
7 के.		9

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा सिंह का ता. 1 को 11।14 बजे रात से कन्या का। ता. 4 को 8।36 बजे प्रातः से तुला का। ता. 6 को 3।28 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 8 को 8।6 बजे रात से धनु का। ता. 10 को 11।11 बजे रात से मकर का। ता. 12 को 1।31 बजे रात से कुंभ का। ता. 14 को 4।2 बजे रात से मीन का। ता. 17 को 7।40 बजे प्रातः से मेष का। ता. 19 को 1।15 बजे दिन से वृष का। ता. 21 को 9।12 बजे रात से मिथुन का। ता. 24 को 7।28 बजे प्रातः से कर्क का। ता. 26 को 7।9 बजे रात से सिंह का। ता. 29 को 6।34 बजे प्रातः से कन्या का। ता. 31 को 4।7 बजे दिन से तुला राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

मई 2023

संवत् 2080
वैशाख-ज्येष्ठ मास

ता. 5 बुद्ध पूर्णिमा
इस दिन भगवान श्री बुद्ध का अवतरण दिवस मनाया जाता है। जो भगवान विष्णु के 23वें अवतार हैं, इस दिन धर्मराज की पूजा का विधान भी है।

ता. 17 से 19 को वट सावित्री व्रत
इन दिनों सती सावित्री ने व्रत करके यमराज से अपने पति के प्राण वापस ले लिए थे। महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना से व्रत करती हैं।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 13, 17, 20, 26 को शिववाश एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	11	8।41	रात	वैसाख शुक्लपक्ष
2	12	9।56	रात	
3	13	10।41	रात	
4	14	10।56	रात	
5	15	10।40	रात	
6	1	9।55	रात	ज्येष्ठ कृष्णपक्ष
7	2	8।43	रात	
8	3	7।7	रात	
9	4	5।13	सायं	
10	5	3।4	दिन	
11	6	12।44	दिन	
12	7	10।18	दिन	
13	8	7।50	प्रात:	
14	9 10	5।26	प्रात:	
15	11	1।14	रात	
16	12	11।32	रात	
17	13	10।10	रात	
18	14	9।13	रात	
19	30	8।43	रात	
20	1	8।44	रात	ज्येष्ठ शुक्लपक्ष
21	2	9।15	रात	
22	3	10।16	रात	
23	4	11।42	रात	
24	5	1।28	रात	
25	6	3।27	रात	
26	7	दिन	रात	
27	7	5।20	प्रात:	
28	8	7।13	प्रात:	
29	9	8।50	प्रात:	
30	10	10।12	दिन	
31	11	10।48	दिन	

SUNDAY रवि	**पंचक** तारीख 12 को 1 बजकर 31 मिनिट रात से ता. 17 को 7 बज कर 40 मिनिट प्रातः तक पंचक रहेंगे।	ऋषि नारद जयंती; **7**; अनुराधा 8।56 रात; ज्येष्ठ कृष्ण 2	राक्षस योग; **14**; शतभिषा 11।06 दिन; पंचक, मदर्स डे; ज्येष्ठ कृष्ण 9,10	सोमपदा द्वितीया; **21**; रोहिणी 8।30 दिन; राजीव गांधी पुण्यतिथि; ज्येष्ठ शुक्ल 2	छत्र योग; **28**; पू.फा. 12।11 रात; वीर सावरकर जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल 8
MONDAY सोम	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; **1**; पू.फा. 4।42 दिन; श्रमिक दिवस; वैसाख शुक्ल 11	गणेश चतुर्थी व्रतं; **8**; ज्येष्ठा 8।16 रात; चंद्रोदय 9।30 रा.; ज्येष्ठ कृष्ण 3	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; **15**; पूर्वा भा. 9।41 दिन; केवट जयंती; ज्येष्ठ कृष्ण 11	रम्भातीज; **22**; मृगशिरा 9।56 दिन; छत्रसाल, महाराणा प्रताप जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल 3	श्रीवत्स योग; **29**; उ.फा. 2।10 रात; महेश नवमी; ज्येष्ठ शुक्ल 9
TUESDAY मंगल	मधुसूदन पूजन; **2**; उ.फा. 6।35 सायं; रुक्मणी द्वादशी; वैसाख शुक्ल 12	छत्र योग; **9**; मूल 6।56 सायं; गुरु रविंद्रनाथ टैगोर जं.; ज्येष्ठ कृष्ण 4	सिद्धि योग; **16**; उ.भा. 8।30 दिन; सौर ज्येष्ठ मास प्रा.; ज्येष्ठ कृष्ण 12	गणेश चतुर्थी व्रतं; **23**; आर्द्रा 11।49 दिन; गुरु अर्जुनदेव पुण्यतिथि; ज्येष्ठ शुक्ल 4	गंगा दशहरा; **30**; हस्त 3।35 रात; गायत्री जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल 10
WEDNESDAY बुध	प्रदोष व्रतं, वैशाखी; **3**; हस्त 8।11 रात; प्रेस स्वतंत्रता दिवस; वैसाख शुक्ल 13	श्रीवत्स योग; **10**; पूर्वाषाढ़ 5।33 सायं; ज्येष्ठ कृष्ण 5	प्रदोष व्रतं; **17**; रेवती 7।40 प्रातः; वट सावित्री व्रतारंभ; ज्येष्ठ कृष्ण 13	गद योग; **24**; पुनर्वसु 2।14 दिन; ज्येष्ठ शुक्ल 5	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; **31**; चित्रा 4।37 रात; रानी अहिल्याबाई जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल 11
THURSDAY गुरु	कदली व्रतं; **4**; चित्रा 8।58 रात; नरसिंह अवतार; वैसाख शुक्ल 14	सौम्य योग; **11**; उत्तराषाढ़ 3।59 दिन; संत तारणतरण गुरु पर्व; ज्येष्ठ कृष्ण 6	मानस योग; **18**; अश्विनी 7।10 प्रातः; वट सावित्री दूसरा दिवस; ज्येष्ठ कृष्ण 14	स्कंध षष्ठी व्रतं; **25**; पुष्य 4।34 दिन; नौतपा प्रारंभ, आल्हा जं.; ज्येष्ठ शुक्ल 6	**भद्रा** ता. 4 को 10।56 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 5 को सूर्योदय से 10।50 बजे दिन तक। ता. 8 को 7।57 बजे प्रातः से 7।7 बजे रात्रि तक। ता. 11 को 12।44 बजे दिन से 11। 34 बजे रात्रि तक। ता. 14 को 4।21 बजे दिन से 3।17 बजे रात्रि तक। ता. 17 को 10।10 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 18 को सूर्योदय से 9।34 बजे दिन तक। ता. 23 को 10।54 बजे दिन से 11।42 बजे रात्रि तक। ता. 26 को सूर्योदय से 1।2 बजे दिन तक। ता. 27 को 5।20 बजे प्रातः से 6।21 बजे सायं तक। ता. 30 को 10।33 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 31 को सूर्योदय से 10।48 बजे दिन तक।
FRIDAY शुक्र	बुद्ध पूर्णिमा; **5**; स्वाती 9।26 रात; खंडग्रास चंद्रग्रहण, कूर्म, बुद्ध जं.; वैसाख शुक्ल 15	पंचक प्रारंभ रात्रि में; **12**; श्रवण 2।20 दिन; ज्येष्ठ कृष्ण 7	वट सावित्री व्रतं पारणा; **19**; भरणी 7।8 प्रातः; शनि जयंती; ज्येष्ठ कृष्ण 30	मित्र सप्तमी; **26**; श्लेषा 7।9 रात; ज्येष्ठ शुक्ल 7	
SATURDAY शनि	ब्रह्म पूजा; **6**; विशाखा 9।24 रात; ज्येष्ठ कृष्ण 1	शीतला अष्टमी व्रतं; **13**; धनिष्ठा 12।40 दिन; पंचक; ज्येष्ठ कृष्ण 8	करवीर व्रतं; **20**; कृतिका 7।34 प्रातः; ज्येष्ठ शुक्ल 1	पद्म योग; **27**; मघा 9।41 रात; मां धूमावती जयंती; ज्येष्ठ शुक्ल 7	

मुहूर्त

विवाह- ता. 2, 3, 4, 6, 7, 8, 11, 15, 16, 20, 21, 26, 27, 28, 29, 30
नामकरण- ता. 1, 3, 11, 12, 22, 31
कर्णभेद - ता. 3, 12, 22, 31
मुंडन -ता. 3, 7, 12, 22, 31
अन्नप्राशन- ता. 3, 12, 21, 22, 29
कूप खनन- ता. 11 **अक्षरारंभ**- ता. 31
सीमांत पुंसवन- ता. 2, 16, 30
प्रसूति स्नान-ता. 2,11, 16, 21, 28, 30
व्यापार आरंभ- ता. 1, 10, 11, 29
वाहन क्रय- ता. 12, 21, 22
संपदा क्रय-ता. 5, 10, 15, 16, 22, 26
पूंजी निवेश- ता. 5, 12, 16, 21, 22
देव प्रतिष्ठा- ता. 3, 11, 12, 17
शल्यक्रिया- ता. 7, 21, 30
वाटिका रोपण- ता. 1, 2, 3, 6, 11, 16, 21, 22, 29, 30, 31
औषधि सेवन- ता. 3, 16, 21, 30, 31
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 22
यात्रा- ता. 3, 12, 17, 30
धान्य छेदन- ता. 1, 3, 10, 11, 12, 14, 22, 26, 29, 31 **नवीन वस्त्र**- ता. 3, 11
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 1, 11, 12, 21, 22, 29 **उपनयन**- ता. 21, 22, 29, 31
नवान्य भक्षण - ता. 1, 3, 10, 11, 12, 22, 29 **गृहारंभ** - ता. 3, 15, 29, 31
जीर्ण गृह प्रवेश- ता. 3, 11, 12, 17, 19, 31 **बीज वोवनी** - ता. 11, 27, 30
रोग मुक्ति - ता. 18, 20
द्विरागमन - ता. 3, 10, 11, 12

राशिफल

मेष - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
वृष- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मीन- चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 5 भृगु ऋषि, गुरु गोरखनाथ जयंती
ता. 15 अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस
ता. 17 विश्व दूरसंचार दिवस
ता. 22 राजाराम मोहन राय जयंती, छत्रसाल, महाराणा प्रताप जयंती
ता. 27 पं. जवाहरलाल नेहरू पुण्यतिथि
ता. 28 वीर सावरकर जयंती
ता. 31 विश्व धूम्रपान दिवस

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 3 को सूर्योदय से 8।1 बजे रात्रि तक। ता 12 को सूर्योदय से 2।20 बजे दिन तक। ता 16 को सूर्योदय से 8।30 बजे प्रातः तक। ता 18 को सूर्योदय से 7।10 बजे प्रातः तक। ता. 20 को 7।34 प्रातः से रात अंत तक। ता. 22 को सूर्योदय से 9।46 दिन तक। ता 28 को 12।1 बजे रात से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 20 को 7।34 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता 22 को सूर्योदय से 9।56 बजे दिन तक। ता 25 को सूर्योदय से 4।34 बजे दिन तक।

रवियोग- ता 1 को सूर्योदय से दिन 4।42 बजे तक। ता 3 को रात्रि 8।1 बजे से रात्रिअंत ता 4 को सूर्योदय से रात्रि 8।58 बजे तक। ता 10 को सायं 5।33 बजे से रात्रिअंत तक। ता 11 को सूर्योदय से दिन 3।59 बजे तक। ता 12 को सूर्योदय से दिन 2।20 बजे तक। ता 22 को दिन 9।56 बजे से रात्रिअंत ता 23 को सूर्योदय से दिन 11।49 बजे तक। ता 24 को दिन 2।4 बजे से रात्रिअंत ता 25 को सूर्योदय से दिन 4।34 बजे तक। ता 26 को सूर्योदय से रात्रि 7।9 बजे तक। ता 28 को रात्रि 12।1 बजे से रात्रिअंत ता 29 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक एवं ता 30 को सूर्योदय से रात्रि 3।35 बजे तक।

पुष्य नक्षत्र : ता. 24 को 2।4 दिन से 4।34 दिन तक।

भोपाल						
सूर्योदय ता.	1-5.34	7-5.30	13-5.27	19-5.25	25-5.22	30-5.21
सूर्यास्त ता.	1-6.26	7-6.30	13-6.33	19-6.35	25-6.38	30-6.29

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 मोहिनी एकादशी व्रतं
ता. 2 मधुसूदन पूजन
ता. 3 प्रदोष व्रतं
ता. 4 नृसिंह चतुर्दशी, कदली व्रतं
ता. 5 स्नानदान बुद्ध पूर्णिमा, वैशाखी
ता. 8 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 13 शीतला अष्टमी व्रतं
ता. 15 एकादशी व्रतं सर्वेसाम
ता. 17 प्रदोष व्रतं, वट सावित्री व्रतारंभ
ता. 19 वट सावित्री व्रतं पारणा,

ता. 19 शनि जयंती, स्नानदान अमावस्या
ता. 22 रम्भातीज, अगस्त्य अस्त
ता. 23 वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 29 महेश नवमी (माहेशवरी समाज)
ता. 30 गंगा दशहरा, श्री रामेश्वर प्रतिष्ठा
ता. 31 निर्जला एकादशी व्रतं

जैन पर्व
ता. 18 शांतिनाथ मोक्ष पर्व
ता. 21 रोहिणी व्रतं
ता. 24 श्रुत पंचमी

वृष संक्रांति फलं

वृष संक्रांति - ज्येष्ठ कृष्ण 11 सोमवार ता. 15 को 3:17 दिन से सूर्य वृष राशि में प्रवेश करेंगे। ध्वांक्षी संज्ञक संक्रांति व्यापारी वर्ग एवं उद्योगपियों को शुभकारी है। साथ ही बुद्धिजीवियों के लिए भी सुखद रहेगी। यह संक्रांति व्याघ्र वाहन पर सवार होकर अश्व उपवाहन लिए पीत वस्त्र धारण कर गदा लिए रूपापात्र में खीर भक्षण करती हुई भूत वर्ण की बाल्यावस्था में विश्राम की स्थिति में प्रवेश करेगी। इस संक्रांति के प्रभाव से जौ-गेहूं की फसलों को नुकसान की संभावना, दूध रस रस्ते होने की भी संभावना है। अन्य अनाज के भाव स्थिर सूचक रहेंगे।

मास फल

इस माह मेष राशि में सूर्य, बुध, गुरु, राहु का चतुर्ग्रही योग देश-दुनिया के लिए अशांतिकारक है। यानखान दुर्घटना एवं सीमा प्रांतों से पड़ोसी देशों द्वारा नुकसान हो सकता है। कुछ वस्तुओं में महंगाई में कमी होगी, परन्तु रासायनिक पदार्थों पेट्रोल-डीजल आदि में तेजी का रुख रहेगा। उत्तर में भूस्खलन से जन-धन की हानि हो सकती है। इस माह शनि मंगल का षडाष्टक योग यूरोपीय देशों में टकराव कराएगा। गुरु-राहु पर शनि की दृष्टि जनउपद्रवकारक है। गर्मी का प्रकोप पूर्वोत्तर क्षेत्र में लू का प्रकोप रहेगा। माह के अंत में बूंदाबांदी संभव है। इस माह ता. 7, 14, 19 उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम
ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जून की

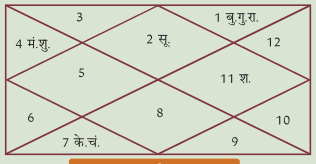

3	2 सू.	1 बु.गु.रा.	
4 मं.शु.	5	11 श.	12
6	8	10	
7 के.चं.		9	

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- वृष में, तारीख 15 को 1:4 रात से मिथुन में। **मंगल-** कर्क में, **बुध-** मेष में, तारीख 4 को 1:39 रात से वृष में। तारीख 22 को 10:54 रात से मिथुन में। **गुरु-** मेष में, **शुक्र-** कर्क में, **शनि-** कुंभ में, ता. 18 को वक्री, **राहू-** मेष में, **केतु-** तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल तारीख 3 को 5।0 बजे रात से ता. 5 को 3।3 रात तक। ता. 12 को 4।34 दिन से ता. 14 को 3।5 दिन तक। ता. 21 को 11।46 रात से ता. 23 को 4।55 रात तक।

तारा उदय-अस्त: गुरु पूर्व में उदित, शुक्र पश्चिम में उदित।

सूर्य उत्तरायण
21 से दक्षिणायन

ग्रीष्म / वर्षा ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 16 जून की

4 मं.शु.	3 सू.	2 बु.चं.	
5	6	12	1 गु.रा.
7 के.	9	11 श.	
8		10	

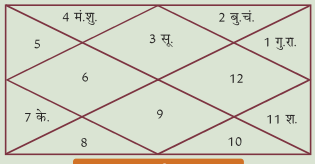

चंद्र परिवर्तन स्थिति

ता. 2 को 11।16 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 4 को 4।8 बजे रात से धनु का। ता. 7 को 7।18 बजे प्रातः से मकर का। ता. 9 को 9।40 बजे दिन से कुंभ का। ता. 11 को 12।9 बजे दिन से मीन का। ता. 13 को 3।38 बजे दिन से मेष का। ता. 15 को 9।0 बजे रात से वृष का। ता. 17 को 4।39 बजे रात से मिथुन का। ता. 20 को 2।46 बजे दिन से कर्क का। ता. 22 को 2।20 बजे रात से सिंह का। ता. 25 को 1।51 बजे दिन से कन्या का। ता. 27 को 11।40 बजे रात से तुला का। ता. 30 को 7।5 बजे प्रातः से वृश्चिक राशि का चंद्रमा रहेगा।

ता. 11 को प्रसिद्ध पंचांगकार एवं ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी की पुण्यतिथि आषाढ़ कृष्ण अष्टमी को होती है। पं. गौतमजी की पुण्य तिथि देश विदेश में उनके अनुयायी बड़ी श्रद्धा के साथ मनाते हैं।

ता. 29 देवशयनी एकादशी
इस दिन से चार माह देवता विश्राम पर रहते हैं जिससे मांगलिक कार्य बंद रहते हैं, जबकि धार्मिक कार्य विशेष फल प्रदान करते हैं।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 1, 9, 11, 12, 18, 21, 29 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	12	10।58	दिन	ज्येष्ठ शु.प.
2	13	10।43	दिन	
3	14	10।0	दिन	
4	15	8।52	प्रात:	
5	1 2	7।13	प्रात:	आषाढ़ कृष्ण पक्ष
6	3	3।14	रात	
7	4	12।52	रात	
8	5	10।25	रात	
9	6	7।56	रात	
10	7	5।31	सायं	
11	8	3।15	दिन	
12	9	1।11	दिन	
13	10	11।23	दिन	
14	11	9।59	दिन	
15	12	8।58	प्रात:	
16	13	8।25	प्रात:	
17	14	8।22	प्रात:	
18	30	8।52	प्रात:	
19	1	9।49	दिन	आषाढ़ शुक्ल पक्ष
20	2	11।13	दिन	
21	3	12।58	दिन	
22	4	2।54	दिन	
23	5	4।54	सायं	
24	6	6।47	रात	
25	7	8।23	रात	
26	8	9।36	रात	
27	9	10।22	रात	
28	10	10।37	रात	
29	11	10।23	रात	
30	12	9।39	रात	

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

जून 2023

संवत् 2080
ज्येष्ठ-आषाढ़ मास

भद्रा — ता. 3 को 10।02 बजे दिन से 9।35 बजे रात्रि तक। ता. 6 को 4।17 बजे दिन से 3।15 बजे रात्रि तक। ता. 9 को 7।57 बजे रात्रि से रात्रि अंत तक। ता. 10 को सूर्योदय से 6।40 बजे प्रातः तक। ता. 12 को 12।19 बजे रात्रि से रात्रि अंत तक। ता. 13 को सूर्योदय से 11।24 बजे दिन तक। ता. 16 को 8।26 बजे दिन से 8।27 बजे रात्रि तक। ता. 21 को 2।01 बजे रात्रि से रात्रि अंत तक। ता. 22 को सूर्योदय से 2।55 बजे दिन तक। ता. 25 को 8।24 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 26 को सूर्योदय से 9।00 बजे दिन तक। ता. 29 को 10।31 बजे दिन से 10।24 बजे रात्रि तक।

वार					
SUNDAY रवि	(भद्रा)	स्नानदान पूर्णिमा **4** ज्येष्ठा 4।18 रात संत कबीर जयंती ज्येष्ठ शुक्ल 15	शीतला अष्टमी व्रतं **11** पूर्वा भा. 5।48 सायं पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पुण्यतिथि आषाढ़ कृष्ण 8	स्नानदान अमावस्या **18** मृगशिर 5।24 सायं हलहारिणी अमावस आषाढ़ कृष्ण 30	वरुणी सप्तमी **25** पू.फा. 7।18 प्रातः मां ताप्ती जयंती आषाढ़ शुक्ल 7
MONDAY सोम	(भद्रा)	**5** मूल 3।3 रात गुरु हरगोविंद सिंह जयंती आषाढ़ कृष्ण 1,2	गद योग **12** उ.भा. 4।34 दिन पंचक आषाढ़ कृष्ण 9	गुप्त नवरात्रि आरंभ **19** आर्द्रा 7।9 रात कालदंड योग आषाढ़ शुक्ल 1	परशुराम अष्टमी **26** उ.फा. 9।22 दिन श्रीवत्स योग आषाढ़ शुक्ल 8
TUESDAY मंगल	(भद्रा)	मित्र योग **6** पूर्वाषाढ़ 1।41 रात आषाढ़ कृष्ण 3	शुभ योग **13** रेवती 3।38 दिन पंचक समाप्त आषाढ़ कृष्ण 10	श्री जगन्नाथ रथयात्रा **20** पुनर्वसु 9।19 रात सुस्थिर योग आषाढ़ शुक्ल 2	भड़ली नवमी **27** हस्त 11।0 दिन आषाढ़ शुक्ल 9
WEDNESDAY बुध	(भद्रा)	श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **7** उत्तराषाढ़ 12।19 रात चंद्रोदय 10।18 रा. आषाढ़ कृष्ण 4	एकादशी व्रतं सर्वेसाम **14** अश्विनी 3।5 दिन श्री देवहरा बाबा जयंती आषाढ़ कृष्ण 11	सूर्य दक्षिणायने **21** पुष्य 11।46 रात रवि सायन कर्के आषाढ़ शुक्ल 3	गिरजा दशमी **28** चित्रा 12।10 दिन मन्वादि तिथि आषाढ़ शुक्ल 10
THURSDAY गुरु	प्रदोष व्रतं **1** स्वाती 5।11 रात दक्षिणात्य वटसावित्री व्रतारंभ ज्येष्ठ शुक्ल 12	ध्वज योग **8** श्रवण 10।30 रात आषाढ़ कृष्ण 5	प्रदोष व्रतं **15** भरणी 2।57 दिन मिथुन संक्रांति आषाढ़ कृष्ण 12	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **22** श्लेषा 2।20 रात अमृत योग आषाढ़ शुक्ल 4	देव शयनी एकादशी **29** स्वाती 12।50 दिन चातुर्मास प्रारम्भ आषाढ़ शुक्ल 11
FRIDAY शुक्र	वटसावित्री व्रत द्वितीय **2** विशाखा 5।17 रात बड़ा देव पूजन ज्येष्ठ शुक्ल 13	धाता योग **9** धनिष्ठा 8।50 रात बिरसामुंडा शहीद दिवस आषाढ़ कृष्ण 6	मास शिवरात्रि व्रतं **16** कृतिका 3।16 दिन आषाढ़ कृष्ण 13	काण योग **23** मघा 4।55 रात सांई टेऊराम जयंती आषाढ़ शुक्ल 5	वामन पूजन **30** विशाखा 1।2 दिन चातुर्मास व्रतारंभ आषाढ़ शुक्ल 12
SATURDAY शनि	व्रत की पूर्णिमा **3** अनुराधा 5।0 रात नौतपा समाप्त वटसावित्री व्रतं पारणा ज्येष्ठ शुक्ल 14	कालाष्टमी **10** शतभिषा 7।15 रात पंचक आषाढ़ कृष्ण 7	श्राद्ध अमावस्या **17** रोहिणी 4।5 दिन आषाढ़ कृष्ण 14	स्कन्द षष्ठी **24** पूर्वा फा. दिनरात लुंबक योग आषाढ़ शुक्ल 6	**पंचक** तारीख 9 को 9 बजकर 42 मिनिट दिन से तारीख 13 को 3 बजकर 38 मिनिट दिन तक।

मुहूर्त

विवाह- ता. 1, 3, 4, 5, 7, 11, 12, 13, 16, 17, 22, 23, 24, 25, 26, 27
नामकरण- ता. 8, 9, 14, 28, 30
कर्णभेद - ता. 8, 9, 14, 28,
मुंडन -ता. 8 **अक्षरारंभ-** ता. 8, 14,
अन्नप्राशन- ता. 11, 25, 28
कूप खनन- ता. 12 **गृहारंभ -** ता.
सीमांत पुंसवन- ता. 8, 13
नवीन वस्त्र- ता.1, 2, 9, 14, 28 से 30
प्रसूति स्नान- ता. 8, 11, 13, 25
व्यापार आरंभ- ता. 12, 14, 26, 28
वाहन क्रय- ता. 8, 9, 14, 28
संपदा क्रय- ता. 1, 2, 8, 12, 13, 14, 23, 28, 29, 30 **शल्यक्रिया-** ता. 8, 13
पूंजी निवेश- ता. 1, 2, 8, 9, 13, 14, 29, 30 **देव प्रतिष्ठा-** ता. 1, 8
वाटिका रोपण- ता. 2, 12, 13, 14, 25, 28, 29, 30 **राज्यसेवा ग्रहण-** ता. 30
औषधि सेवन- ता. 8, 13, 28
यात्रा- ता. 8, 13, 14, 30
धान्य छेदन-ता. 8, 11, 12, 23, 25, 28
धार्मिक अनुष्ठान-ता. 8, 9, 12, 14, 25 26, 28
उपनयन- ता. 5, 8, 19, 21
नवान्य भक्षण - ता. 9, 12, 14, 26, 28, 30 **बीज वोवनी -** ता. 9, 30

राशिफल

मेष - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
कर्क - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 बाल सुरक्षा दिवस
ता. 5 विश्व पर्यावरण दिवस
ता. 14 अंतर्राष्ट्रीय रक्तदान दिवस
ता. 18 रानी लक्ष्मी बाई बलिदान दि.
ता. 21 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस
ता. 24 रानी दुर्गावती बलिदान दिवस
ता. 26 विश्व नशा निरोधक दिवस
ता. 27 मधुमेह जागृति दिवस

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता 4 को 4।8 बजे रात से रातअंत तक। ता. 11 को 5।48 बजे सायं से रातअंत तक। ता. 25 को 7।18 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता. 30 को 1।2 बजे दिन से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता 13 को 3।38 बजे दिन से रातअंत तक। ता 17 को सूर्योदय से 4।5 बजे दिन तक।

रवियोग- ता. 1 को रात्रि 5।11 बजे से रात्रिअंत तक। ता. 2 को सूर्योदय से रात्रि 5।17 बजे तक। ता. 8 को रात्रि 10।30 बजे से रात्रिअंत तक। ता. 9 को रात्रि 8।50 बजे से रात्रिअंत तक। ता 10 को सूर्योदय से रात्रि 7।15 बजे तक। ता. 20 को रात्रि 9।19 बजे से रात्रिअंत तक। ता. 21 को सूर्योदय से रात्रि 11।46 बजे तक। ता. 22 को रात्रि 2।20 से रात्रिअंत तक। ता. 23 को रात्रि 4।55 बजे से रात्रिअंत तक। ता. 24 को सूर्योदय से रात्रि 7।20 बजे तक। ता. 25 को सूर्योदय से प्रातः 7।18 बजे तक। ता. 27 को दिन 11।0 बजे से रात्रिअंत तक। ता. 28 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक। ता. 29 को सूर्योदय से दिन 12।50 बजे तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.20	7-5.19	13-5.18	19-5.17	25-5.17	30-5.18
सूर्यास्त	ता.	1-6.40	7-6.41	13-6.42	19-6.43	25-6.43	30-6.42

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 प्रदोष व्रतं
ता. 3 दक्षिणात्य वटसावित्री पूर्णिमा
ता. 4 स्नादान पूर्णिमा, मन्वादि तिथि
ता. 7 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 11 शीतला अष्टमी व्रतं
ता. 14 योगिनी एकादशी व्रतं
ता. 15 प्रदोष व्रतं
ता. 17 श्राद्ध अमावस्या
ता. 18 स्नानदान अमावस्या
ता. 19 गुप्त नवरात्रि आरंभ
ता. 20 श्री जगन्नाथ रथयात्रा
ता. 22 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 24 स्कन्दषष्ठी
ता. 25 वरुणी सप्तमी
ता. 27 भड़ली नवमी, गुप्तनवरात्रि स.
ता. 28 आशा दशमी, मन्वादि तिथि
ता. 29 देव शयनी एकादशी
ता. 30 वामन पूजन

ज्योतिष मठ का सहयोगी प्रकाशन
पाक्षिक
धर्म नगरी
भोपाल, उज्जैन, त्र्यंबकेश्वर, प्रयागराग और हरिद्वार से कुंभ में प्रकाशित
सटीक समाचार, धर्म पर पैनी नजर
भोपाल मो.-6261868110
संपादक-राजेश पाठक

पंचांग में दिन एवं तारीख का प्रारंभ सूर्योदयकाल से माना जाता है।

मिथुन संक्रांति फलं

मिथुन संक्रांति - आषाढ़ कृष्ण 12 गुरुवार तारीख 15 को 1:4 रात से सूर्य मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। मंदा संज्ञक संक्रांति के प्रभाव से अध्यापकों, लेखकों, पत्रकारों, वैज्ञानिकों को सुखद प्रभाव रहेगा। साथ ही पशु-पक्षियों के लिए भी सुखद है। यह संक्रांति महिषी वाहन पर बैठी हुई ऊंट उपवाहन लिए काले वस्त्र धारण किए हुए तोमर शस्त्र लिए, तीकर पात्र में दही भक्षण करती हुई प्रगल्भ अवस्था में बैठी हुई प्रवेश कर रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव स्थिर रहेंगे।

मास फल

मेष राशि पर बुध-गुरु-राहु का त्रिग्रही योग प्राकृतिक प्रकोप, भूकंप, असमय वृष्टि आदि से जनजीवन अस्त-व्यस्त कराएगा। कर्क राशि में मंगल शुक्र की युति शनि मंगल का षडाष्टक महाराष्ट्र आदि पश्चिमी क्षेत्रों में अति वृष्टि की स्थिति बनाएगा। यानखान दुर्घटना के योग हैं। ग्रहों के प्रभाव सीमा प्रांतों में शत्रु देशों से सावधान रहने के संकेत दे रहे हैं। रोहिणी के सूर्य से कई स्थानों में तापमान में गिरावट आएगी। लाल पदार्थों के मूल्यों में तेजी का रुख रहेगा। मूंगफली मसाला आदि सस्ते हो सकते हैं। इस माह ता. 1, 4, 5, 9 13 उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

ज्योतिष मठ संस्थान

सूर्य उत्तरायण
ता.17 से दक्षिणायन

वर्षा ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 जुलाई की

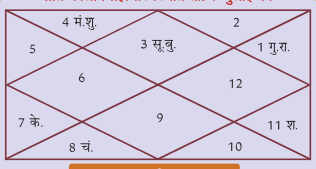

	4 मं.शु.		2
5		3 सू.बु.	1 गु.रा.
	6		12
7 के.		9	11 श.
	8 चं.		10

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- मिथुन में, ता. 17 को 4:21 दिन से कर्क में। **मंगल-** कर्क में, ता. 3 को 11:42 दिन से सिंह में। **बुध-** मिथुन में, ता. 8 को 12:29 रात से कर्क में। ता. 26 को 12:59 दिन से सिंह में। **गुरु-** मेष में, **शुक्र-** कर्क में, ता. 12 को 2:29 दिन से सिंह में, ता. 23 को वक्री, ता. 29 को 8:51 दिन से कर्क में। **शनि-** कुंभ में वक्री, **राहू-** मेष में, **केतु-** तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 1 को 12।46 दिन से ता. 3 को 11।04 दिन तक। ता. 9 को 12।36 रात से ता. 11 को 10।56 रात तक। ता. 19 को 6।59 प्रातः से ता. 21 को 12।8 दिन तक ता. 28 को 8।41 रात से ता. 30 को 7।9 रात तक।

तारा उदय-अस्त - गुरु पूर्व दिशा में उदय, शुक्र पश्चिम दिशा में उदय।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 जुलाई की

	5 मं.शु.		3
6		4 सू.बु.चं.	2
	7 के.		1 गु.रा.
8		10	12
	9		11 श.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा वृश्चिक का, ता. 2 को 12।5 बजे दिन से धनु का। ता. 4 को 3।24 बजे दिन से मकर का। ता. 6 को 5।49 बजे सायं से कुंभ का। ता. 8 को 8।14 बजे रात से मीन का। ता. 10 को 11।35 बजे रात से मेष का। ता. 12 को 4।39 बजे रात से वृष का। ता. 15 को 12।9 बजे दिन से मिथुन का। ता. 17 को 10।0 बजे रात से कर्क का। ता. 20 को 9।33 बजे दिन से सिंह का। ता. 22 को 9।8 बजे रात से कन्या का। ता. 25 को 7।12 बजे प्रातः से तुला का। ता. 27 को 2।48 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 29 को 8।6 बजे रात से धनु का। ता. 31 को 11।34 बजे रात से मकर राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

जुलाई 2023

संवत् 2080

आषाढ़-श्रावण अधि. मास

ता. 3 गुरुपूर्णिमा महर्षि वेदव्यास के साथ आध्यात्मिक गुरु, कुलगुरु, दीक्षित गुरु की पीठ, पादुका, पूजन वंदन आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा के दिन पूजा की जाती है।

ता. 23 नाग पंचमी सावन माह की शुक्ल पक्ष की पंचमी को नाग पंचमी मनाई जाती है। इस दिन नाग देवता की पूजा की जाती है और उन्हें दूध से स्नान कराया जाता है। आज ही के दिन सर्प दोष की पूजा भी की जाती है।

शिव वास अग्नि वास

इस माह तारीख 4, 8, 11, 18, 24, 28 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	13	8।22	रात	आषाढ़ शुक्लपक्ष
2	14	6।52	रात	
3	15	4।57	सायं	
4	1	2।46	दिन	प्रथम श्रावण कृष्णपक्ष
5	2	12।25	दिन	
6	3	9।58	दिन	
7	4 5	7।30	प्रात:	
8	6	2।47	रात	
9	7	12।43	रात	
10	8	10।56	रात	
11	9	9।29	रात	
12	10	8।27	रात	
13	11	7।52	रात	
14	12	7।47	रात	
15	13	8।12	रात	
16	14	9।7	रात	
17	30	10।28	रात	
18	1	12।10	रात	प्रथम श्रावण शुक्लपक्ष
19	2	2।5	रात	
20	3	4।4	रात	
21	4	दिन	रात	
22	4	5।59	प्रात:	
23	5	7।36	प्रात:	
24	6	8।52	प्रात:	
25	7	9।39	दिन	
26	8	9।57	दिन	
27	9	9।45	दिन	
28	10	9।5	दिन	
29	11	7।58	प्रात:	
30	12 13	6।27	प्रात:	
31	14	2।25	रात	

वार					
SUNDAY रवि	प्रदोष व्रतं **30** मूल 7।9 रात अधि. श्रावण शुक्ल 12,13	श्रीशिव शयनोत्सव **2** ज्येष्ठा 12।5 दिन चौमासी चौदस जैन आषाढ़ शुक्ल 14	शीतला सप्तमी व्रतं **9** उ.भा. 12।36 रात श्रावण कृष्ण 7	ध्वांक्ष योग **16** आर्द्रा 2।27 रात श्रावण कृष्ण 14	मित्र योग **23** उ.फा. 4।43 दिन लोकमान्य तिलक जयंती अधि. श्रावण शुक्ल 5
MONDAY सोम	**31** पूर्वाषाढ़ 5।55 शाम श्रावण सोमवार अधि. श्रावण शुक्ल 14	गुरू पूर्णिमा, व्यास पूजन **3** मूल 11।04 दिन मन्वादि तिथि आषाढ़ शुक्ल 15	श्रावण सोमवार व्रतं **10** रेवती 11।35 रात कालाष्टमी श्रावण कृष्ण 8	हरियाली सोमवती अमावस्या **17** पुनर्वसु 4।32 रात श्रावण सोमवार श्रावण कृष्ण 30	कल्कि अवतार **24** हस्त 6।27 सांय श्रावण सोमवार अधि. श्रावण शुक्ल 6
TUESDAY मंगल	**भद्रा** ता. 2 को 6।52 बजे सायं से रात्रिअंत। ता. 3 को सूर्योदय से 5।54 बजे प्रातः ता. 5 को 11।11 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 6 को सूर्योदय से 9।58 बजे दिन ता. 8 को 2।47 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 9 को सूर्योदय से 1।43 बजे दिन ता. 12 को 8।52 बजे दिन से 8।26 बजे रात्रि ता. 15 को 8।12 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 16 को सूर्योदय से 8।34 बजे दिन ता. 21 को सूर्योदय से 12।0 बजे दोपहर तक, ता. 22 को सूर्योदय से 5।59 बजे प्रातः ता. 25 को 9।39 बजे दिन से 9।50 बजे रात्रि तक, ता. 28 को 8।32 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 29 को सूर्योदय से 7।58 बजे प्रातः से ता. 31 को 2।25 बजे रात से रात अंत तक। **पंचक** तारीख 6 को 5।48 बजे सायं से तारीख 10 को 11।35 बजे रात तक।	पार्थिव शिव पूजनं **4** पूर्वाषाढ़ 9।47 दिन मंगलागौरी व्रतं श्रावण कृष्ण 1	कुमारी पूजन **11** अश्विनी 10।56 रात गुरु हरिकिशन जयंती श्रावण कृष्ण 9	मलमास प्रारंभ **18** पुष्य दिनरात श्रावण अधिमास प्रारंभ अधि. श्रावण शुक्ल 1	इन्द्रसप्तमी **25** चित्रा 7।44 रात अधि. श्रावण शुक्ल 7
WEDNESDAY बुध		**5** उत्तराषाढ़ 8।17 दिन श्रावण कृष्ण 2	काण योग **12** भरणी 10।41 रात श्रावण कृष्ण 10	मातंग योग **19** पुष्य 6।59 प्रातः चंद्रदर्शन अधि. श्रावण शुक्ल 2	बुधाष्टमी व्रतं **26** स्वाती 8।32 रात अधि. श्रावण शुक्ल 8
THURSDAY गुरु		श्री गणेश चतुर्थी व्रतं **6** श्रव., धनि. 6।39 प्रातः चंद्रोदय 9।43 रात श्रावण कृष्ण 3	एकादशी व्रतं सर्वेसाम **13** कृतिका 10।54 रात श्रावण कृष्ण 11	मधुश्रवा तीज **20** श्लेषा 9।33 दिन अमृत योग अधि. श्रावण शुक्ल 3	**27** विशाखा 8।51 रात अधि. श्रावण शुक्ल 9
FRIDAY शुक्र		मौना पंचमी **7** शतभिषा 3।21 रात श्रावण कृष्ण 4, 5	मित्र योग **14** रोहिणी 11।36 रात श्रावण कृष्ण 12	गणेश चतुर्थी व्रतं **21** मघा 12।8 दिन अधि. श्रावण शुक्ल 4	राक्षस योग **28** अनुराधा 8।41 रात अधि. श्रावण शुक्ल 10
SATURDAY शनि	प्रदोष व्रतं **1** अनुराधा 12।46 दिन विजया पार्वती व्रतं आषाढ़ शुक्ल 13	**8** पू.भा. 1।52 रात श्रावण कृष्ण 6	शनि प्रदोष व्रतं **15** मृगशिर 12।48 रात मास शिवरात्रि श्रावण कृष्ण 13	लुंबक योग **22** पू.फा. 2।34 दिन अधि. श्रावण शुक्ल 4	एकादशी व्रतं सर्वेसाम **29** ज्येष्ठा 8।6 रात मोहर्रम, ताजिया अधि. श्रावण शुक्ल 11

मुहूर्त

विवाह- देवशयन के कारण इस महीने विवाह मुहूर्त नहीं।
नामकरण- ता. 5, 7, 14, 24, 28
अन्नप्राशन- ता. 7, 9, 23, 24, 28
सीमांत पुंसवन- ता. 9, 23
नवीन वस्त्र- ता. 5, 14, 27, 28
प्रसूति स्नान- ता. 7, 9, 23, 30
व्यापार आरंभ- ता. 5, 10, 14, 24
वाहन क्रय- ता. 7, 10, 24
संपदा क्रय- ता. 3, 7, 10, 20, 25, 27
पूंजी निवेश- ता. 1, 7, 10, 25, 27, 28
देव प्रतिष्ठा- ता.
शल्यक्रिया- ता. 11, 25
वाटिका रोपण- ता. 1, 3, 4, 5, 9, 14, 22, 23, 24, 25, 27, 28, 30
औषधि सेवन- ता. 1, 25
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 1, 10, 24, 28
यात्रा- ता. 11, 28
धान्य छेदन- ता. 5, 9, 20, 23, 24
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 5, 7, 9, 10, 14, 23, 24, 28
नवान्य भक्षण - ता. 5, 10, 14, 24, 28
जीर्ण गृह प्रवेश- ता. 5, 7, 14
बीज वोवनी - ता. 1, 3, 4, 20, 28, 30
महाकाल सवारी उज्जैन ता. 10, 17, 24,31

राशिफल

मेष - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
वृष- प्रार्पटी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मिथुन - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 सीए दिवस, डॉक्टर दिवस
ता. 6 पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जयंती
ता. 7 प्राणनाथ परमधामवास दिवस
ता. 11 विश्व जनसंख्या दिवस
ता. 23 चंद्रशेखर आजाद जयंती
ता. 27 डॉ. अब्दुल कलाम पु.ति.
ता. 31 श्री उधम सिंह शहीद दिवस, श्री मुंशी प्रेमचंद जयंती

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 2 को 12।5 बजे दिन से रातअंत तक। ता. 9 को सूर्योदय से 12।36 बजे रातअंत तक। ता. 11 को सूर्योदय से 10।56 रात तक। ता. 18 को दिनरात। ता 23 को सूर्योदय से 4।43 बजे दिन तक। ता 27 को 8।51 बजे रात्रि से रातअंत तक। ता 28 को सूर्योदय से 8।41 बजे रात्रि तक। ता 30 को सूर्योदय से 7।9 बजे रात्रि तक।

अमृतसिद्धि योग- ता.11 को सूर्योदय से 10।56 बजे रात्रि तक। ता 23 को 4।43 बजे दिन से रातअंत तक।

रवियोग- ता.1 को दिन 12।46 बजे से रात्रिअंत ता 2 को सूर्योदय से दिन 12।5 बजे तक। ता 8 को रात्रि 1।52 बजे से रात्रिअंत ता 9 को सूर्योदय से रात्रि 12।36 बजे तक। ता 20 को दिन 9।33 बजे से रात्रिअंत ता 21 को दिन 12।8 बजे से रात्रिअंत ता 22 को सूर्योदय से दिन 2।34 बजे तक। ता 23 को दिन 4।43 बजे से रात्रिअंत तक। ता 24 को सूर्योदय से सायं 6।27 बजे तक। ता 26 को रात्रि 8।32 बजे से रात्रिअंत तक। ता 27 को सूर्योदय से रात्रिअंत ता 28 को सूर्योदय से रात्रि 8।41 बजे तक। ता 30 को रात्रि 7।9 बजे से रात्रिअंत ता 31 को सूर्योदय से सायं 5।55 बजे तक।

पुष्य नक्षत्र - ता. 17 को 4।32 रात अंत से ता. 18 दिनरात प्रभावी रहेगा।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-5.18	7-5.19	13-5.20	19-5.22	25-5.24	30-5.27
सूर्यास्त	ता.	1-6.42	7-6.41	13-6.40	19-6.38	25-6.36	30-6.33

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 प्रदोष व्रतं, मंगला तेरस
ता. 3 गुरू पूर्णिमा, कोकिलाव्रतारंभ
ता. 4 पार्थिव शिव पूजनं
ता. 6 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 7 मौना पंचमी
ता. 9 शीतला सप्तमी व्रतं
ता. 13 कामदा एकादशी व्रतं
ता. 15 प्रदोष व्रतं
ता. 17 हरियाली सोमवती अमावस्या
ता. 18 पुरुषोत्तम मास प्रारंभ
ता. 20 मधुश्रवा तीज
ता. 21 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 25 इन्द्रसप्तमी
ता. 29 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 30 प्रदोष व्रतं

ज्योतिष मठ का सहयोगी प्रकाशन
THE CLIFF NEWS
देश का पहला हिन्दी अंग्रेजी अखबार एक साथ अवश्य पढ़ें।
संपादक-राजीव त्रिपाठी

18 जुलाई से 16 अगस्त बुधवार तक श्रावण अधिक मास होगा। इसी को मलमास, पुरुषोत्तम मास, अधिक मास कहा जाता है। प्रतिपदा से अमावस्या तक जिस मास में सूर्य संक्रांति नहीं हो वह मास अधिक मास होगा।

कर्क संक्रांति फलं

कर्क संक्रांति - श्रावण कृष्ण 30 सोमवार ता. 17 को 4:21 दिन से कर्क राशि में भगवान भास्कर प्रवेश करेंगे। ध्वांक्षी सज्ञक संक्रांति व्यापारी वर्ग एवं उद्‍योगपतियों चोर, तस्करों, जमाखोरों हेतु शुभ है। महोदरी संज्ञक संक्रांति बैल पर सवार होकर व्याघ्र उपवाहन लिए निवस्त्र अवस्था में हाथ में तलवार लिए मिट्‍टी के पात्र में घी भक्षण करती हुई, पुत्रवती अवस्था में अर्ध सोती हुई स्थिति में आ रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव में मंदी, रोग, जनधन की हानि, शिशुओं में रोग, संक्रमण का प्रभाव बढ़ेगा।

मास फल

इस माह गुरु-राहु की युति का प्रभाव एवं मंगल-शुक्र की युति का प्रभाव पूर्णरूप से रहेगा। गृह स्थिति के अनुसार पड़ोसी देशों से तनावपूर्ण स्थिति बनेगी। इन देशों से उच्च वार्ता होगी। देश की क्षेत्रीय पार्टियों में विघटन होने की संभावना है। आर्द्रा के सूर्य उत्तम बारिश के योग दे रहे हैं। पूर्वी राज्यों में अतिवृष्टि से अति हानि हो सकती है। गेहूं, जौं, चावल-चना आदि में घटा-बढ़ी संभव है। चीनी-गुड़, खाद्‍य तेलों में तेजी आएगी। राजनैतिक अस्थिरता के साथ किसी बड़े राजनेता का देहावसान चिंताकरक है। जमाखोरों के लिए यह माह सावधानी का है। इस की ता. 4, 9, 15, 21, 24 उपद्रव अशांतिकारक हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अगस्त की

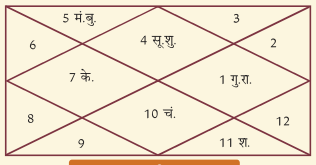

5 मं.बु.	4 सू.शु.	3
6	7 के. / 1 गु.रा.	2
8	10 चं.	12
9	11 श.	

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- कर्क में, तारीख 17 को 3:47 रात से सिंह में। **मंगल-** सिंह में, ता. 20 को 5:34 रात से कन्या में। **बुध-** सिंह में, ता. 24 को वक्री, **गुरु-** मेष में, **शुक्र-** कर्क में वक्री, **शनि-** कुंभ में वक्री, **राहू-** मेष में, **केतु-** तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल तारीख 6 को 8।39 दिन से ता. 8 को 6।45 प्रातः तक। ता. 15 को 2।9 दिन से ता. 17 को 7।19 रात तक। ता. 24 को 4। 37 रात से ता. 26 को 3।14 रात तक।

तारा उदय-अस्त - ता. 4 को शुक्र अस्त पश्चिम में। ता. 17 को शुक्र उदय पूर्व दिशा में।

सूर्य दक्षिणायन

वर्षा ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 अगस्त की

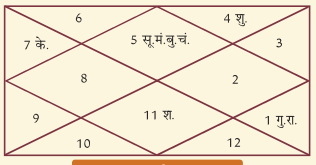

6	5 सू.मं.बु.चं.	4 शु.
7 के.	8 / 2	3
9	11 श.	1 गु.रा.
10		12

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा मकर का, ता. 2 को 2।0 बजे रात से कुंभ का। ता. 4 को 4।22 बजे रात से मीन का। ता. 7 को 7।33 बजे प्रातः से मेष का। ता. 9 को 12।30 बजे दिन से वृष का। ता. 11 को 7।40 बजे रात से मिथुन का। ता. 13 को 5।15 बजे रात से कर्क का। ता. 16 को 4।41 बजे सायं से सिंह का। ता. 18 को 4।22 बजे रात से कन्या का। ता. 21 को 2।37 बजे दिन से तुला का। ता. 23 को 10।32 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 25 को 4।5 बजे रात से धनु का। ता. 28 को 7।42 बजे प्रातः से मकर का। ता. 30 को 10।13 बजे दिन से कुंभ राशि का चंद्रमा रहेगा।

ता. 30 रक्षाबंधन
ता. 30 को 10।5 दिन से ता. 31 को 7।37 प्रात: तक पूर्णिमा तिथि उपलब्ध है। ता. 31 की उदयकाकलिक पूर्णिमा 3 मुहूर्त से कम व्याप्त है। यह रक्षाबंधन में मान्य नहीं है। इसीलिए ता. 30 की पूर्णिमा में भद्रा पश्चात रक्षाबंधन शास्त्र सम्मत है।

ता.15 स्वतंत्रता दिवस
इस दिन भारतीय स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। इस दिन भारत गुलामी से पूरी तरह आजाद हो गया था। इसी की खुशी में यह पर्व पूरे भारत में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 3, 9, 12 एवं 16 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	15	1।6	रात	अधि.शुक्ल
2	1	9।40	रात	द्वितीय श्रावण कृष्णपक्ष
3	2	7।12	रात	
4	3	4।48	सायं	
5	4	2।30	दिन	
6	5	12।25	दिन	
7	6	10।35	दिन	
8	7	9।4	दिन	
9	8	8।3	प्रात:	
10	9	7।27	प्रात:	
11	10	7।20	प्रात:	
12	11	7।43	प्रात:	
13	12	8।38	प्रात:	
14	13	9।59	दिन	
15	14	11।42	दिन	
16	30	1।38	दिन	
17	1	3।38	दिन	द्वितीय श्रावण शुक्लपक्ष
18	2	5।33	सायं	
19	3	7।14	रात	
20	4	8।32	रात	
21	5	9।24	रात	
22	6	9।45	रात	
23	7	9।37	रात	
24	8	8।59	रात	
25	9	7।53	रात	
26	10	6।27	सायं	
27	11	4।36	दिन	
28	12	2।30	दिन	
29	13	12।14	दिन	
30	14	9।50	दिन	
31	15 / 1	7।22	प्रात:	

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

अगस्त 2023

संवत् 2080

श्रावण मास

भद्रा
ता. 4 को 5।60 बजे प्रातः से 4।48 बजे सायं तक। ता. 7 को 10।35 बजे दिन से 9।47 बजे रात्रि तक। ता. 10 को 7।22 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 11 को सूर्योदय से 7।20 बजे प्रातः तक। ता. 14 को 9।59 बजे दिन से 10।48 बजे रात्रि तक। ता. 20 को 7।55 बजे प्रातः से 8।32 बजे रात्रि ता. 23 (%) (%) को 9।37 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 24 को सूर्योदय से 9।22 बजे दिन ता. 27 को सूर्योदय से 4।36 बजे दिन ता. 30 को 9।50 बजे दिन से 8।37 बजे रात्रि तक।

SUNDAY रवि				
(भद्रा)	**6** सुस्थिर योग; उ.भा. 8।39 दिन; फ्रेंडशिप डे; अधि. श्रावण कृष्ण 5	**13** प्रदोष व्रतं; आर्द्रा 9।48 दिन; लेफ्टहैंडर्स डे; अधि. श्रावण कृष्ण 12	**20** गणेश चतुर्थी व्रतं; हस्त 1।53 रात; विश्व मच्छर दिवस; श्रावण शुक्ल 4	**27** एकादशी व्रतं सर्वेसाम; पूर्वाषाढ़ 2।2 रात; पुत्रदा एकादशी; श्रावण शुक्ल 11

MONDAY सोम				
(भद्रा)	**7** पंचक समाप्त; रेवती 7।33 प्रातः; श्रावण सोमवार; अधि. श्रावण कृष्ण 6	**14** मास शिवरात्रि; पुनर्वसु 11।49 दिन; श्रावण सोमवार; अधि. श्रावण कृष्ण 13	**21** श्री नागपंचमी; चित्रा 3।18 रात; श्रावण सोमवार; श्रावण शुक्ल 5	**28** सोम प्रदोष व्रतं; उत्तराषाढ़ 12।36 रात; श्रावण सोमवार; श्रावण शुक्ल 12

TUESDAY मंगल				
1 पूर्णिमा, गौरी पूजा; उत्तराषाढ़ 4।28 दिन; लोकमान्य तिलक पुण्य तिथि; अधि. श्रावण शुक्ल 15	**8** अमृत योग; अश्विनी 6।45 प्रातः; मंगला गौरी व्रतं; अधि. श्रावण कृष्ण 7	**15** स्वतंत्रता दिवस; पुष्य 2।9 दिन; श्राद्ध की अमावस्या; अधि. श्रावण कृष्ण 14	**22** कल्कि अवतार; स्वाती 4।13 रात; मंगला गौरी व्रतं; श्रावण शुक्ल 6	**29** आखेटक त्रयोदशी; श्रवण 1।12 रात; ऋग्वेदीय उपाकर्म; श्रावण शुक्ल 13

WEDNESDAY बुध				
2 छत्र योग; श्रवण 2।50 दिन; पंचक प्रारंभ; अधि. श्रावण कृष्ण 1	**9** बुधाष्टमी; भरणी 6।28 प्रातः; विश्व आदिवासी दि.; अधि. श्रावण कृष्ण 8	**16** स्नानदाद अमावस्या; श्लेषा 4।41 दिन; अधिक मास समाप्त; अधि. श्रावण कृष्ण 30	**23** धाता योग; विशाखा 4।39 रात; गोस्वामी तुलसीदास जयंती; श्रावण शुक्ल 7	**30** पूर्णिमा रक्षाबंधन; धनिष्ठा 9।23 रात; श्रावणी उपाकर्म; श्रावण शुक्ल 14

THURSDAY गुरु				
3 श्रीवत्स योग; धनिष्ठा 1।10 दिन; अशून्यशयन व्रतं; अधि. श्रावण कृष्ण 2	**10** लुंबक योग; कृतिका 6।34 प्रातः; अधि. श्रावण कृष्ण 9	**17** मूसल योग; मघा 7।19 रात; शिवात्मक अभिषेक आरंभ; श्रावण शुक्ल 1	**24** आनंद योग; अनुराधा 4।37 रात; श्रावण शुक्ल 8	**31** पूर्णिमा रक्षाबंधन मतान्तर; शतभिषा 7।44 रात; कजलियां; श्रावण शुक्ल 15,1

FRIDAY शुक्र				
4 गणेश चतुर्थी व्रतं; शतभिषा 11।32 दिन; चंद्रोदय 8।50 रात; अधि. श्रावण कृष्ण 3	**11** मित्र योग; रोहिणी 7।9 प्रातः; खुदीराम बोस श. दि.; अधि. श्रावण कृष्ण 10	**18** सिद्धि योग; पू.फा. 9।48 रात; करपात्री जी जयंती; श्रावण शुक्ल 2	**25** चर योग; ज्येष्ठा 4।5 रात; श्रावण शुक्ल 9	(भद्रा)

SATURDAY शनि				
5 कालदंड योग; पू.भा. 10।10 दिन; पंचक; अधि. श्रावण कृष्ण 4	**12** एकादशी व्रतं सर्वेसाम; मृगशिर 8।14 दिन; विश्व युवा दिवस; अधि. श्रावण कृष्ण 11	**19** मधुश्रवा तीज; उ.फा. 12।12 रात; हरियाली तीज, झूला प्रा.; श्रावण शुक्ल 3	**26** झूलन यात्रा आरंभ; मूल 3।14 रात; मदर टेरेसा जयंती; श्रावण शुक्ल 10	(पंचक)

पंचक
ता. 2 को 2।0 बजे रात से ता. 7 को 7।33 बजे प्रातः तक। ता. 30 को 10।12 बजे दिन से पंचक प्रारंभ।

मुहूर्त

विवाह- देवशयन विवाह, मुहूर्त नहीं
नामकरण- ता. 2, 3, 4, 11, 18, 21, 24, 28, 31
अन्नप्राशन- ता. 3, 4, 18, 21, 31
कूप खनन- ता. 2, 3, 4, 24
नवीन वस्त्र- ता. 3, 11, 18, 23, 24
प्रसूति स्नान- ता. 1, 22, 24
गृहारंभ - ता. 2, 3, 4, 5, 28, 31
व्यापार आरंभ- ता. 11, 18, 21, 28
वाहन क्रय- ता. 2, 3, 4, 21, 31
संपदा क्रय- ता.1, 2, 4, 22 से 24, 31
पूंजी निवेश-ता. 1, 3-4, 21-22, 24, 31
शल्यक्रिया- ता. 1, 22, 24, 31
वाटिका रोपण- ता. 1, 5, 11, 12, 18, 21, 23, 24, 28
औषधि सेवन- ता. 2, 3, 22, 24, 31
धान्य छेदन- ता. 2, 3, 9, 10, 18, 21, 27-28 **सीमांत पुंसवन-** ता. 1
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 2, 3, 4, 11, 21, 24, 28, 31
नवान्य भक्षण - ता. 2, 3, 11, 18, 21, 24, 28
जीर्ण गृह प्रवेश- ता. 2, 3, 4, 18, 21, 24, 28, 31 **यात्रा-** ता. 1, 2, 3
बीज वोवनी - ता. 1, 3, 21, 22, 24, 26, 28 **राज्यसेवा ग्रहण-** ता. 21, 24

राशिफल

मेष - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृष- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
तुला - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 3 श्री मैथिलीशरण गुप्त जयंती
ता. 4 गायक किशोर कुमार जयंती
ता. 9 भारत छोड़ो आंदोलन दिवस
ता. 15 स्वंत्रता दिवस
ता. 16 अटल बिहारी वाजपेयी पुति
ता. 20 श्री राजीव गांधी जयंती
ता. 29 मेजर ध्यानचंद्र जयंती

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 6 को सूर्योदय से 8।39 बजे प्रातः तक। ता. 9 को 6।28 बजे प्रातः से रातअंत तक। ता. 14 को 11।49 बजे दिन से रातअंत तक। ता 15 को 2।9 बजे दिन से रातअंत तक। ता. 20 को सूर्योदय से रात्रि 11।53 बजे तक। ता 24 को सूर्योदय से 4।37 बजे रातअंत तक। ता 27 को 2।2 बजे रात से रातअंत तक। ता 28 को 12।36 बजे रात से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता. 8 को सूर्योदय से 6।45 बजे प्रातः तक। ता 20 को सूर्योदय से 1।53 बजे रातअंत तक। ता 23 को 4।39 बजे रात से रातअंत तक।

रवियोग- ता. 7 को प्रातः 7।33 बजे से रात्रिअंत ता 8 को सूर्योदय से प्रातः 6।45 बजे तक। ता. 19 को रात्रि 12।2 बजे से रात्रिअंत ता 20 को सूर्योदय से रात्रि 1।53 बजे तक। ता 21 को रात्रि 3।18 बजे से रात्रिअंत ता 22 को सूर्योदय से रात्रि 4।13 बजे तक। ता 24 को रात्रि 4।37 बजे से रात्रिअंत ता 25 को सूर्योदय सेरात्रिअंत ता 26 को सूर्योदय से रात्रि 3।14 बजे तक। ता 28 को रात्रि 12।36 बजे से रात्रिअंत ता 29 को सूर्योदय से रात्रि 11।2 बजे तक। **पुष्य नक्षत्र -** ता. 14 को 12।1 दिन से ता. 15 को 2।21 दिन तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.28	7-5.31	13-5.34	19-5.37	25-5.41	30-5.44
सूर्यास्त	ता.	1-6.32	7-6.29	13-6.26	19-6.23	25-6.19	30-6.16

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 स्नानदान पूर्णिमा, मंगलागौरी व्रतं
ता. 4 गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 12 कमला एकादशी व्रतं
ता. 13 प्रदोष व्रतं
ता. 14 मास शिवरात्रि व्रतं
ता. 16 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 18 सिंघारा दोज
ता. 19 मधुश्रवा, हरियाली तीज झूला प्रा.
ता. 20 दूर्वा गणपति व्रतं
ता. 21 नागपंचमी
ता. 27 पुत्रदा एकादशी व्रतं
ता. 28 प्रदोष व्रतं
ता. 30 पूर्णिमा, रक्षाबंधन,
ता. 31 कजलियां

यह पंचांग घर बैठे मंगाने हेतु मो. नं. 9827322068 पर संपर्क करें।

सिंह संक्रांति फलं

सिंह संक्रांति - द्वितीय अधिमास श्रावण शुक्ल 1 गुरुवार ता. 17 को 3:47 बजे रात से सूर्य सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इस संक्रांति का पुण्यकाल दूसरे दिन शुक्रवार को होगा। मंदा संज्ञक संक्रांति बुद्धिजीवी वर्ग, निर्धन वर्ग, अध्यापक, लेखक वर्ग के लिए शुभताकारी है। यह संक्रांति बाघ पर सवार होकर अश्व उपवाहन लिए पीत वस्त्र धारण कर हाथ में गदा लेकर रूपापात्र में खीर भक्षण करती हुई भूत वर्ण की बाल्यावस्था में बैठी हुई स्थिति में प्रवेश करेगी। इसके प्रभाव से अन्नादि के भाव स्थिर रहेंगे।

मास फल

इस माह वक्री शुक्र फिल्म जगत में हलचल मचा सकता है। नामी-गिरामी फिल्मों सितारों को न्यायालय के शिकंज में आना पड़ेगा। माह के मध्य में सिंह राशि पर सूर्य-मंगल-बुध-चंद्र का चतुर्ग्रही योग अनेक क्षेत्रों में अशांति कारक है। किसी विशिष्ट व्यक्ति के देहावसान से देश में उपद्रव संभव है।मंगल शनि का समसप्तक योग एवं गुरु पर शनि की दृष्टि पश्चात मुस्लिम राष्ट्रों में आपसी तनाव मतान्तर विग्रह कराएगा। देश में राजनीतिक अस्थिरता एवं बारिश भूस्खलन से संकट का माहौल बनेगा। इस माह की ता. 3, 7, 22, 31 उपद्रव अशांतिकारक है।

ज्योतीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 सितंबर की

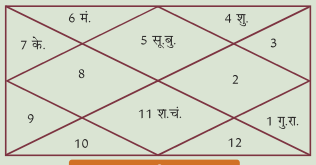

6 मं.	5 सू.बु.	4 शु.
7 के.		3
8		2
9		1 गु.रा.
10	11 श.चं.	12

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य - सिंह में, ता. 17 को 4:46 रात से कन्या में। **मंगल** - कन्या में, **बुध** - सिंह में, ता. 16 को मार्गी, **गुरु**- मेष में, **शुक्र** - कर्क में वक्री ता. 4 को मार्गी, **शनि** - कुंभ में वक्री, **राहू** - मेष में, **केतु** - तुला राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को 4।46 बजे दिन से ता. 4 को 2।47 बजे दिन तक। ता. 11 को 9।20 बजे रात से ता. 13 को 2।27 बजे रात तक। ता. 21 को 12।22 बजे दिन से ता. 23 को 11।12 बजे दिन तक। ता. 29 को 12।50 बजे रात से अगले माह की ता. 1 को 10।40 बजे रात तक।

गुरु शुक्र तारा - गुरु एवं शुक्र दोनों पूर्व दिशा में उदित।

सूर्य दक्षिणायन

वर्षा ऋतु
18 से शरद ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 सितंबर की

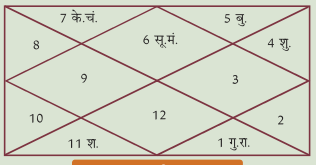

7 के.चं.	6 सू.मं.	5 बु.
8		4 शु.
9		3
10		2
11 श.	12	1 गु.रा.

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा कुंभ का, ता. 1 को 12।34 बजे दिन से मीन का। ता. 3 को 3।37 बजे दिन से मेष का। ता. 5 को 8।17 बजे रात से वृष का। ता. 7 को 3।10 बजे रात से मिथुन का। ता. 10 को 12।34 बजे दिन से कर्क का। ता. 12 को 11।51 बजे रात से सिंह का। ता. 15 को 11।35 बजे दिन से कन्या का। ता. 17 को 10।3 बजे रात से तुला का। ता. 20 को 6।16 बजे प्रातः से वृश्चिक का। ता. 22 को 11।58 बजे दिन से धनु का। ता. 24 को 3।46 बजे दिन से मकर का। ता. 26 को 6।22 बजे सायं से कुंभ का। ता. 28 को 8।41 बजे रात से मीन का। ता. 30 को 11।37 बजे रात से मेष राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

सितंबर 2023

संवत् 2080
भाद्रपद-आश्विन मास

ता. 7 श्रीकृष्ण जन्माष्टमी

भाद्र. कृ. 8 तिथि तथा रोहिणी नक्षत्र वृष लग्न व वृष राशि में चंद्रमा भ्रमणकाल में अर्द्ध रात्रि के समय भगवान श्रीकृष्ण प्रकट हुए थे। शास्त्रानुसार जन्माष्टमी व्रत अष्टमीयुक्त नवमी पर किया जाना चाहिए। ता. 7 को उदय व्यापिनी अष्टमी रोहिणी नक्षत्र से युक्त है अत: जन्माष्टमी व्रत ता. 7 को शास्त्र सम्मत है।

ता. 18 हरतालिका तीज व्रतं

यह व्रत वर्ष का सबसे कठिन एवं लंबी अवधि का निर्जला व्रत है। इस दिन भगवान शिव परिवार के साथ उनके गणों की पूजा-हवन चार प्रहर रात्रि जागरण के साथ की जाती है। फूलों से बना फुलहेरा सजाया जाता है।

शिव वास अग्नि वास

तारीख 1, 5, 11, 14, 21, 30 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	2	2।40	रात	भाद्रपद कृष्णपक्ष
2	3	12।36	रात	
3	4	10।48	रात	
4	5	9।20	रात	
5	6	8।17	रात	
6	7	7।40	रात	
7	8	7।34	रात	
8	9	7।57	रात	
9	10	8।51	रात	
10	11	10।11	रात	
11	12	11।54	रात	
12	13	1।52	रात	
13	14	3।55	रात	
14	30	दिन	रात	
15	30	5।55	प्रात:	भाद्रपद शुक्लपक्ष
16	1	7।39	प्रात:	
17	2	9।1	दिन	
18	3	9।54	दिन	
19	4	10।19	दिन	
20	5	10।13	दिन	
21	6	9।38	दिन	
22	7	8।36	प्रात:	
23	8 9	7।10	प्रात:	
24	10	3।18	रात	
25	11	1।2	रात	
26	12	10।40	रात	
27	13	8।15	रात	
28	14	5।53	सायं	
29	15	3।37	दिन	
30	1	1।34	दिन	आ.कृ.

भद्रा

ता. 2 को 1।38 बजे दिन से 12।36 बजे रात्रि तक। ता. 5 को 8।17 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 6 को सूर्योदय से 7।50 बजे प्रातः तक। ता. 9 को 8।20 बजे दिन से 8।51 बजे रात्रि तक। ता. 12 को 1।52 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 13 को सूर्योदय से 2।55 बजे दिन तक। ता. 18 को 10।10 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 19 को सूर्योदय से 10।19 बजे दिन तक। ता. 22 को 8।36 बजे दिन से 7।52 बजे रात्रि तक। ता. 25 को 2।11 बजे दिन से 1।2 बजे रात्रि तक। ता. 28 को 5।53 बजे सायं से 4।42 बजे रात्रि तक।

पंचक

ता. 3 को 3।37 बजे दिन तक। ता. 26 को 6।25 बजे सायं से ता. 30 को 11।37 बजे रात तक।

वार					
SUNDAY रवि		श्री गणेश चतुर्थी व्रतं — **3** — रेवती 3।37 दिन — चंद्रोदय रात्रि 8।37 — भाद्रपद कृष्ण 4	एकादशी व्रतं सर्वेसाम — **10** — पुनर्वसु 7।5 रात — भाद्रपद कृष्ण 11	विश्वकर्मा पूजनं — **17** — हस्त 9।16 दिन — बा.गु. तीज, रामदेव जयंती — भाद्रपद शुक्ल 2	दशावतार दशमी व्रतं — **24** — पूर्वाषाढ़ 10।6 दिन — विश्व बेटी दिवस — भाद्रपद शुक्ल 10
MONDAY सोम		रक्षा पंचमी — **4** — अश्विनी 2।47 दिन — भाई भिन्ना — भाद्रपद कृष्ण 5	गोवत्स द्वादशी — **11** — पुष्य 9।20 रात — महाकाल सवारी — भाद्रपद कृष्ण 12	हरितालिका तीज व्रतं — **18** — चित्रा 10।45 दिन — वैनायकी चतुर्थी व्रतं, चंद्र दर्शन निषेध — भाद्रपद शुक्ल 3	एकादशी व्रतं सर्वेसाम — **25** — उत्तराषाढ़ 8।44 दिन — डोल ग्यारस — भाद्रपद शुक्ल 11
TUESDAY मंगल		हल षष्ठी व्रतं — **5** — भरणी 2।20 दिन — बलदाऊ जयंती, हरछठ — भाद्रपद कृष्ण 6	प्रदोष व्रतं — **12** — श्लेषा 11।51 रात — युगादि तिथि — भाद्रपद कृष्ण 13	ऋषि पंचमी व्रतं — **19** — स्वाती 11।47 दिन — गणेशोत्सव प्रारंभ — भाद्रपद शुक्ल 4	श्रवण द्वादशी — **26** — श्रवण, धनि. 7।12 प्रातः — पंचक प्रारंभ — भाद्रपद शुक्ल 12
WEDNESDAY बुध		जन्माष्टमी व्रतं मतान्तर — **6** — कृतिका 2।19 दिन — सिद्धि योग — भाद्रपद कृष्ण 7	अघोर चतुर्दशी — **13** — मघा 2।27 रात — पुण्य तिथि, अहिल्याबाई — भाद्रपद कृष्ण 14	रक्षा पंचमी — **20** — विशाखा 12।19 दिन — ऋषि पंचमी पंचांग भेद — भाद्रपद शुक्ल 5	प्रदोष व्रतं — **27** — शतभिषा 3।52 रात — पंचक — भाद्रपद शुक्ल 13
THURSDAY गुरु		श्री कृष्ण जन्माष्टमी — **7** — रोहिणी 2।47 दिन — अगस्त्योदय — भाद्रपद कृष्ण 8	कुशोत्पाटनी अमावस्या — **14** — पू.फा. 4।59 रात — श्राद्ध अमावस्या — भाद्रपद कृष्ण 30	सन्तान सप्तमी — **21** — अनुराधा 12।22 दिन — सूर्यषष्ठी, मोरयाची छठ — भाद्रपद शुक्ल 6	अनंत चतुर्दशी — **28** — पूर्व भा. 2।17 रात — गणेश विसर्जन — भाद्रपद शुक्ल 14
FRIDAY शुक्र	अशून्यशयन व्रतं — **1** — पू.भा. 6।9 सायं — गुरुग्रंथ साहब प्रकाश दिवस — भाद्रपद कृष्ण 2	गोगा नवमी — **8** — मृगशिर 3।45 दिन — विश्व साक्षरता दिवस — भाद्रपद कृष्ण 9	स्नानदान अमावस्या — **15** — उ. फा. दिनरात — अभियंता दिवस — भाद्रपद कृष्ण 30	राधा अष्टमी — **22** — ज्येष्ठा 11।58 दिन — महालक्ष्मी 16 व्रतारम्भ — भाद्रपद शुक्ल 7	पूर्णिमा, पितृ तर्पण प्रा. — **29** — उ.भा. 12।50 रात — नाना का श्राद्ध — भाद्रपद शुक्ल 15
SATURDAY शनि	कजली तीज — **2** — उ.भा. 4।46 दिन — सतवा तीज, पंचक — भाद्रपद कृष्ण 3	मुदुर योग — **9** — आद्रा 5।12 सायं — भाद्रपद कृष्ण 10	महत्तमाख्यव्रतं — **16** — उ.फा. 7।18 प्रातः — उपाकर्म सामवेद — भाद्रपद शुक्ल 1	महानंदा नवमी — **23** — मूल 11।12 दिन — श्री चंद्र, दधीज जयंती — भाद्रपद शुक्ल 8,9	प्रतिपदा श्राद्धपक्ष — **30** — रेवती 11।37 रात — महालय प्रारंभ — आश्विन कृष्ण 1

मुहूर्त

विवाह- देवशयन विवाह मुहूर्त नहीं
नामकरण- ता. 6, 7, 18, 20, 21, 25, 27, 29 **गृहारंभ** - ता. 2,
अन्नप्राशन- ता. 6, 18, 20, 24, 27
कूप खनन- ता. 21, 25, 27, 29
नवीन वस्त्र- ता. 1, 6, 7, 20 ,21, 29
प्रसूति स्नान- ता. 7, 21, 24
व्यापार आरंभ- ता. 6, 7, 18, 29
वाहन क्रय- ता. 18, 25, 27
संपदा क्रय-ता. 18, 20, 21, 25, 27, 30
पूंजी निवेश- ता. 18, 19, 21, 25, 26, 30 **शल्यक्रिया**- ता. 7, 21
वाटिका रोपण- ता. 2, 6, 7, 18 से 22, 24, 25
औषधि सेवन- ता. 7, 20, 21, 26, 27, 30 **यात्रा**- ता. 29, 30
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 18, 21, 29, 30
धान्य छेदन- ता. 1, 4, 6, 18, 24, 25
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 6, 7, 18, 20, 21, 24, 25, 27
नवान्य भक्षण - ता. 6, 7, 18, 20, 21, 25, 29 **रोग मुक्ति** - ता. 16, 19
बीज वोवनी - ता. 16, 21, 24, 26

राशिफल

मेष - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
वृष- शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
मिथुन - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
कर्क - श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
मीन- व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 विंध्याचल जयंती
ता. 5 शिक्षक दिवस
ता. 8 विश्व साक्षारता दिवस
ता. 14 हिन्दी दिवस
ता. 17 श्री विश्वकर्मा पूजन
ता. 25 पं. दीनदयाल उपाध्याय ज.
ता. 27 विश्व पर्यटन दिवस
ता. 28 श्री भगत सिंह जयंती, लता मंगेश्वर जयंती,
ता. 29 विश्व हृदय दिवस

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 3 को 3।37 बजे दिन से रातअंत तक। ता 5 को 2।20 बजे दिन से रातअंत तक। ता 6 को सूर्योदय से 2।19 बजे दिन तक। ता 11 को सूर्योदय से 9।20 बजे रात्रि तक। ता 12 को सूर्योदय से 11।51 बजे रात्रि तक। ता. 17 को सूर्योदय से 9।16 दिन तक। ता. 20 को 12।19 दिन से ता 21 को 12।22 बजे दिन तक। ता 24 को 10। 6 बजे दिन से रातअंत तक। ता 25 को 8।44 बजे प्रातः से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता. 17 को सूर्योदय से 9।16 बजे दिन तक। ता 20 को 12।19 बजे दिन से रातअंत तक। ता. 29 को 12।50 बजे रात से रातअंत तक।

रवियोग- ता. 5 को दिन 2।20 बजे से रात्रिअंत ता 6 को सूर्योदय से दिन 2।19 बजे तक। ता 18 को दिन 10।45 बजे से रात्रिअंत तक। ता 19 को सूर्योदय से दिन 11।47 बजे तक। ता 20 को दिन 12।19 बजे से रात्रिअंत तक, ता 21 को सूर्योदय से दिन 12।22 बजे तक। ता 23 को दिन 11।12 बजे से रात्रिअंत तक, ता 24 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक, ता 25 को सूर्योदय से प्रातः 8।44 बजे तक। ता 27 को सूर्योदय से रात्रि 3।52 बजे तक। ता 28 को दिन 10।1 से रात्रि अंत तक।

रविपुष्य योग- ता. 10 को 7।5 बजे रात्रि से ता. 11 को 9।20 रात तक।

भोपाल

सूर्योदय	ता.	1-5.45	7-5.49	13-5.53	19-5.57	25-6.01	30-6.04
सूर्यास्त	ता.	1-6.15	7-6.11	13-6.07	19-6.03	25-5.59	30-5.56

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 2 कज्जली, सतवा तीज व्रतं
ता. 3 श्री गणेश, बहुला चतुर्थी व्रतं
ता. 5 हल षष्ठी व्रतं, हरछठ
ता. 7 श्री कृष्ण जन्माष्टमी
ता. 10 जया एकादशी व्रतं
ता. 11 गोवत्स द्वादशी
ता. 12 प्रदोष व्रतं
ता. 13 अघोर चतुर्दशी
ता. 14 कुशोत्पाटनी अमावस्या
ता. 15 स्नानदान अमावस्या
ता. 17 विश्वकर्मा पूजनं
ता. 18 हरितालिका तीज व्रतं, वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 19 ऋषि पंचमी व्रतं
ता. 21 सूर्यषष्ठी,सन्तान सप्तमी
ता. 22 दूर्वा अष्टमी, राधा अष्टमी
ता. 25 डोल ग्यारस
ता. 27 प्रदोष व्रतं
ता. 28 अनंत चतुर्दशी, गणेश विसर्जन
ता. 29 स्नानदान व्रत पूर्णिमा
ता. 30 महालय प्रारंभ, प्रतिपदा श्राद्ध

तिथि श्राद्ध के समय अपराह्नकाल में जो तिथि हो उसी तिथि का श्राद्ध करना चाहिए, न कि उदयकालिक।

ज्योतिष मठ संस्थान के प्रकाशन
- पं. गौतम पंचांग
- कुंभ रहस्यम्
- संतान प्राप्ति रहस्यम्
- नवग्रह रहस्यम्
- लक्ष्मी पूजन पद्धति
- वैदिक विवाह पद्धति
- व्रत त्योहार निर्णय सूत्र
- आयुर्वेद रहस्यम्
- सौभाग्यम्

फोन करके घर बैठे प्राप्त करें।

कन्या संक्रांति फलं

कन्या संक्रांति - भाद्रपद शुक्ल 2 रविवार ता. 17 को 4:46 रात से सूर्यदेव कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। घोरा संज्ञक संक्रांति जनजातीय वर्ग, निर्धन वर्ग के लिए शुभफलकारी है। चित्रा नक्षत्र संज्ञक संक्रांति सैनिक वर्ग, पुलिस आदि को सुखद है। यह संक्रांति हाथी पर सवार होकर गधा उपवाहन लिए, लाल वस्त्र धारण कर एक हाथ में धनुष लिए लोह पात्र में दूध भक्षण करती हुई प्रौढ़ावस्था में विश्राम की मुद्रा में प्रवेश करेगी। इस संक्रांति के प्रभाव से अनादि के भाव स्थिर रहेंगे। रोग, कीट, जल से हानि हो सकती है।

मास फल

इस माह राहु-गुरु का योग उपद्रवकारी है। विश्व में प्राकृतिक प्रकोप से पश्चिमी देशों में हानि संभव है। सीमा प्रांतों में छद्म युद्ध से जनधन की हानि हो सकती है। तटीय क्षेत्रों के साथ सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य कार्यवाही संभव है। व्यापारियों के लिये यह माह कष्टप्रद रहेगा। मंगल शनि का नवपंचम योग दक्षिणी क्षेत्रों में चक्रवाती तूफान से हानि करा सकता है। कुछ प्रदेशों में आतंकीय घटनाएं घटित हो सकती हैं। इसी प्रकार कुछ प्रदेशों में प्राकृतिक आपदा से जनधन की हानि होगी। अमेरिका-आस्ट्रेलिया, यूरोप पर कुप्रभावी ग्रहों का प्रभाव संकट देगा। इस माह ता. 1, 8, 10, 17, 23, 25, उपद्रवकारी हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम
ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन

शरद ऋतु

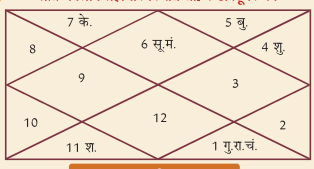

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 अक्टूबर की

7 के.	6 सू.मं.	5 बु.	4 शु.
8	9	3	2
10	11 श.	12	1 गु.रा.चं.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य-कन्या में, ता. 18 को 3:42 दिन से तुला में। **मंगल-** कन्या में, ता. 5 को 3:45 रात से तुला में। **बुध-** सिंह में, ता. 1 को 2:03 दिन से कन्या में। ता. 19 को 2:29 रात से तुला में। **गुरु-** मेष में वक्री, **शुक्र-** कर्क में, ता. 2 को 8:2 दिन से सिंह में। **शनि-** कुंभ में वक्री, **राहू-** मेष में, ता. 28 को 6:22 प्रातः से मीन में। **केतु-** तुला में, ता. 28 को 1:4 दिन से कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 1 को 10।40 रात तक। ता. 8 को 4।31 रात से ता. 11 को 9।37 दिन तक। ता. 18 को 8।9 रात से ता. 20 को 7।10 रात तक ता. 27 को 8।56 दिन से ता. 29 को 6।39 प्रातः तक।

तारा उदय अस्त - गुरु एवं शुक्र तारा पूर्व दिशा में उदित रहेंगे।

प्रात :कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 19 अक्टूबर की

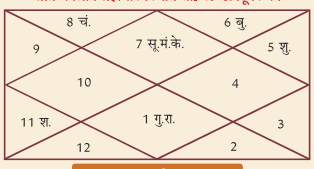

8 चं.	7 सू.मं.के.	6 बु.	5 शु.
9	10	4	3
11 श.	12	1 गु.रा.	2

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा मेष का, तारीख 2 को 4।05 बजे रात से वृष का। ता. 5 को 10।45 बजे दिन से मिथुन का। ता. 7 को 7।54 बजे रात से कर्क का। ता. 10 को 7।0 बजे प्रातः से सिंह का। ता. 12 को 6।47 बजे सायं से कन्या का। ता. 14 को 5।31 बजे रात से तुला का। ता. 17 को 1।54 बजे दिन से वृश्चिक का। ता. 19 को 7।51 बजे रात से धनु का। ता. 21 को 11।51 बजे रात से मकर का। ता. 23 को 2।32 बजे रात से कुंभ का। ता. 25 को 4।50 बजे रात से मीन का। ता. 28 को 7।39 बजे प्रातः से मेष का। ता. 30 को 11।46 बजे दिन से वृष राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

अक्टूबर 2023

संवत् 2080
आश्विन-कार्तिक मास

SUNDAY रवि	MONDAY सोम	TUESDAY मंगल	WEDNESDAY बुध	THURSDAY गुरु	FRIDAY शुक्र	SATURDAY शनि
दिवतीया-श्राद्ध; **1**; आश्विन कृष्ण 2; अश्विनी 10।40 रात; तृतीया श्राद्ध	गणेश चतुर्थी व्रतं; **2**; आश्विन कृष्ण 3; भरणी 10।19 रात; चंद्रोदय रात्रि 7।48	गद योग; **3**; आश्विन कृष्ण 4; तिका 10।12 रात; पंचमी श्राद्ध	श्री चंद्र षष्ठी व्रतं; **4**; आश्विन कृष्ण 5; रोहिणी 10।22 रात; षष्ठी श्राद्ध	मृत्यु योग; **5**; आश्विन कृष्ण 6; मृगशिर 11।19 रात; रानी दुर्गावती जयंती, सप्तमी श्राद्ध	महालक्ष्मी व्रतं, हाथी पूजा; **6**; आश्विन कृष्ण 7; आद्रा 12।31 रात; अष्टमी श्राद्ध	जीवित पुत्रि का व्रतं; **7**; आश्विन कृष्ण 8; पुनर्वसु 2।20 रात; मातृ नवमी श्राद्ध
श्रीवत्स योग; **8**; आश्विन कृष्ण 9; पुष्य 4।31 रात; दशमी श्राद्ध	सौम्य योग; **9**; आश्विन कृष्ण 10; श्लेषा दिनरात; अशून्य तिथि श्राद्ध	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; **10**; आश्विन कृष्ण 11; श्लेषा 7।10 प्रातः; एकादशी श्राद्ध	संन्यासी श्राद्ध; **11**; आश्विन कृष्ण 12; मघा 9।37 दिन; द्वादशी श्राद्ध	प्रदोष व्रतं; **12**; आश्विन कृष्ण 13; पू.फा. 12।10 दिन; त्रयोदशी श्राद्ध	शस्त्रघात मृतक श्राद्ध; **13**; आश्विन कृष्ण 14; उ.फा. 2।31 दिन; चतुर्दशी श्राद्ध	पितृमोक्ष अमावस्या, सूर्य ग्रहण विदेशों में; **14**; आश्विन कृष्ण 30; हस्त 4।35 दिन; अज्ञात तिथि श्राद्ध
शारदीय नवरात्रारंभ; **15**; आश्विन शुक्ल 1; चित्रा 6।12 सायं; पद्म योग, कलश स्थापनं	छत्र योग; **16**; आश्विन शुक्ल 2; स्वाती 7।20 रात; विश्व खाद्य दिवस	सिन्दूर तृतिया; **17**; आश्विन शुक्ल 3; विशाखा 8।10 रात	वैनायकी चतुर्थी व्रतं; **18**; आश्विन शुक्ल 4; अनुराधा 8।19 रात; सौम्य योग, तुला संक्रांति	उपांग ललिता व्रतं; **19**; आश्विन शुक्ल 5; ज्येष्ठा 7।51 रात	सरस्वती आवाहनं; **20**; आश्विन शुक्ल 6; मूल 7।10 रात; बेल वृक्ष पूजा	पर्जन्य सप्तमी; **21**; आश्विन शुक्ल 7; पूर्वाषाढ़ 6।18 सायं; सरस्वती पूजनं
दुर्गाष्टमी व्रतं; **22**; आश्विन शुक्ल 8; उत्तराषाढ़ 4।50 दिन; बारी दिवस	दुर्गा नवमी; **23**; आश्विन शुक्ल 9; श्रवण 3।20 दिन; ज्वारे विसर्जन	विजयादशमी; **24**; आश्विन शुक्ल 10; धनिष्ठा 1।43 दिन; नीलकंठ दर्शन, शमी पूजन	एकादशी व्रतं सर्वेसाम; **25**; आश्विन शुक्ल 11; शतभिषा 12।03 दिन; पंचक	प्रदोष व्रतं; **26**; आश्विन शुक्ल 12,13; पूर्व भाद्रपद 10।26 दिन; पद्मनाभ व्रतं	ध्वज योग; **27**; आश्विन शुक्ल 14; उ.भा. 8।56 दिन	शरद पूर्णिमा, खंड चंद्र ग्रहण; **28**; आश्विन शुक्ल 15; रेवती 7।39 प्रातः; वाल्मिकी जयंती
कार्तिक स्नान प्रारम्भ; **29**; कार्तिक कृष्ण 1; अश्वि. भर. 6।39 प्रातः; आनंद योग	अशून्य शयन व्रतं; **30**; कार्तिक कृष्ण 2; कृतिका 5।46 रात; गुरुरामदास जयंती	मातंग योग; **31**; कार्तिक कृष्ण 3; रोहिणी 6।10 रात; सरदार पटेल जयंती				

भद्रा

ता. 2 को सूर्योदय से 10।17 बजे दिन तक। ता. 5 को 8।34 बजे दिन से 8।43 बजे रात्रि तक। ता. 8 को 12।10 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 9 को सूर्योदय से 1।5 बजे दिन तक। ता. 12 को 7।11 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक।। ता. 13 को सूर्योदय से 8।8 बजे दिनतक। ता. 18 को 11।32 बजे दिन से 11।9 बजे रात्रि तक, ता. 21 को 6।58 बजे रात्रि से 6।1 बजे रात्रि तक। ता. 24 को 11।11 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 25 को सूर्योदय से 9।59 बजे दिन तक, ता. 27 को 3।22 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 28 को सूर्योदय से 2।30 बजे दिन, ता. 31 को 10।52 बजे दिन से 10।39 बजे रात्रि तक।

पंचक

ता. 23 को 2।36 बजे रात से ता. 28 को 7।39 बजे प्रातः तक।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	2	11।46	दिन	आश्विन कृष्णपक्ष
2	3	10।17	दिन	
3	4	9।16	दिन	
4	5	8।41	प्रातः	
5	6	8।34	प्रातः	
6	7	8।54	प्रातः	
7	8	9।56	दिन	
8	9	11।20	दिन	
9	10	1।5	दिन	
10	11	3।5	दिन	
11	12	5।11	सायं	
12	13	7।11	रात	
13	14	8।58	रात	
14	30	10।23	रात	
15	1	11।20	रात	आश्विन शुक्लपक्ष
16	2	11।46	रात	
17	3	11।42	रात	
18	4	11।9	रात	
19	5	10।8	रात	
20	6	8।43	रात	
21	7	6।58	रात	
22	8	4।57	सायं	
23	9	2।44	दिन	
24	10	12।23	दिन	
25	11	9।59	दिन	
26	12 13	7।38	प्रातः	
27	14	3।22	रात	
28	15	1।37	रात	
29	1	12।12	रात	कार्तिक कृ. पक्ष
30	2	11।12	रात	
31	3	10।39	रात	

ता. 15 नवरात्रारंभ
अश्विनी शुक्ल प्रतिपदा के दिन नवरात्र प्रारंभ होते हैं। इस दिन कलश स्थापना, घट स्थापना की जाती है। इसमें देवी के नौ रूपों की आराधना 9 दिनों तक की जाती है।

ता. 28 अक्टूबर शरद पूर्णिमा
इस दिन चंद्रमा अपनी पूर्ण कलाओं के साथ पृथ्वी के नजदीक होता है। इस दिन के चंद्रमा से अलौकिक अमृतमयी किरणें निकलती हैं। जिसके प्रभाव से दूध से बनी वस्तुएं अमृतमयी हो जाती हैं। जो रोग नष्ट करती हैं।

शिव वास अग्नि वास

इस माह ता. 7, 10, 14, 18, 22 एवं 27 को शिव एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

मुहूर्त

विवाह- देवशयन विवाह मुहूर्त नहीं
नामकरण- ता. 4, 5, 16, 26
अन्नप्राशन- ता. 1, 4, 16, 26
सीमांत पुंसवन- ता. 5, 22, 26
नवीन वस्त्र- ता. 4, 26
प्रसूति स्नान- ता. 1, 5, 19, 22, 26, 29, 31
गृहारंभ - ता. 26
वाहन क्रय- ता. 1, 5, 16
संपदा क्रय- ता. 1, 5, 11, 16, 19, 26
पूंजी निवेश- ता. 1, 5, 16, 17, 24
शल्यक्रिया- ता. 1, 5, 19, 31
वाटिका रोपण- ता. 1, 4, 5, 17, 20, 21, 22, 26, 31
औषधि सेवन- ता. 1, 5, 19, 24
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 5
यात्रा- ता. 24
धान्य छेदन- ता. 5, 11, 15, 16, 20, 22, 26, 29, 30
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 1, 4, 5, 16, 22
नवान्य भक्षण - ता. 4, 26
बीज वोवनी - ता. 10, 16
रोग मुक्ति स्नान- ता. 14, 15, 18

राशिफल

मेष - मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।
वृष- स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 1 राष्ट्रीय रक्तदान दिवस
ता. 2 राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री ज.
ता. 8 वायुसेना दिवस
ता. 10 विश्व मानसिक स्वास्थ्य दि.
ता. 13 प्राणनाथ जन्मोत्सव
ता. 15 डॉ. एपीजे अब्दुल जयंती
ता. 24 सांई बाबा पुण्य तिथि
ता. 16 गणेश शंकर विद्याथी जयंती
ता. 31 श्रीमती इंदिरा गांधी पुण्यतिथि सरदार वल्लभाई पटेल जयंती

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 1 को सूर्योदय से 10।40 बजे रात्रि तक। ता 3 को सूर्योदय से 10।2 बजे रात्रि तक। ता 4 को सूर्योदय से 10।22 बजे रात्रि तक। ता. 8 को सूर्योदय से 4।31 रात अंत तक। 10 को सूर्योदय से 7।0 बजे प्रातः तक। ता 22 को सूर्योदय से 4।50 बजे दिन तक। ता 23 को सूर्योदय से 3।20 बजे दिन तक। ता. 27 को 8।56 दिन से रात अंत तक। ता 29 को सूर्योदय से 6।39 बजे प्रातः तक। ता 30 को 5।46 बजे रात से रातअंत तक।

अमृतसिद्धि योग- ता. 18 को सूर्योदय से 8।9 बजे रात्रि तक। ता 27 को 8।56 बजे दिन से रातअंत तक।

रवियोग- ता. 4 को रात्रि 10।22 बजे से रात्रिअंत तक, ता 5 को सूर्योदय से रात्रि 11।9 बजे तक। ता 17 को रात्रि 8।0 बजे से रात्रिअंत तक, ता 18 को सूर्योदय से रात्रि 8।9 बजे तक। ता 19 को रात्रि 7।51 बजे से रात्रिअंत तक, ता 20 को सूर्योदय से रात्रि 7।10 बजे तक। ता 22 को दिन 4।50 बजे से रात्रिअंत तक, ता 23 को सूर्योदय से रात्रि अंत तक, ता 24 को सूर्योदय से दिन 1।43 बजे तक। ता 25 को प्रातः 8।10 से रात्रिअंत ता 27 को दिन 8।56 बजे से रात्रिअंत तक, ता 28 को सूर्योदय से प्रातः 7।39 बजे तक। **रविपुष्य योग-** ता 8 को सूर्योदय से 4।31 बजे रातअंत तक।

यह पंचांग अपने बुकसेलर को बेंचने के लिए कहें।

भोपाल

	ता.						
सूर्योदय	ता.	1-6.05	7-6.10	13-1.13	19-6.17	25-6.21	30-6.24
सूर्यास्त	ता.	1-5.55	7-5.50	13-5.47	19-5.43	25-5.39	30-5.36

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 3 श्री गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 6 महालक्ष्मी, अष्टमी व्रतं
ता. 10 इंदिरा एकादशी व्रतं
ता. 12 प्रदोष व्रतं, शिव चतुर्दशी
ता. 14 सर्व पैत्री पितृमोक्ष अमावस्या
ता. 15 शारदीय नवरात्रारंभ, कलशस्थापनं
ता. 17 सिन्दूर तृतिया
ता. 18 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 19 उपांग ललिता व्रतं
ता. 21 पर्जन्य सप्तमी
ता. 22 दुर्गाष्टमी व्रतं
ता. 23 दुर्गा नवमी, सतयुगादि तिथि
ता. 24 दशहरा, नीलकंठ दर्शन
ता. 25 पापांकुशा एकादशी व्रतं
ता. 26 प्रदोष व्रतं, पद्मनाभ व्रतं
ता. 28 शरद पूर्णिमा, सिंगाजी मेला प्रारम्भ, ओली समाप्त (जैन)
ता. 29 कार्तिक स्नान प्रारम्भ।

ज्योतिष मठ संस्थान प्रकाशन
लक्ष्मी पूजन पद्धति

लेखक - पं.अयोध्या प्रसाद गौतम

इस पंचांग में अति महत्वपूर्ण ज्ञान पिछले पृष्ठों में लिखा है पढ़ना न भूलें।

तुला संक्रांति फलं

तुला संक्रांति - अश्विनी शुक्ल 4 बुधवार, ता. 18 को 3:42 दिन से सूर्य तुला राशि में प्रवेश करेंगे। मंदाकिनी संज्ञक संक्रांति सैनिक वर्ग, राजनैतिक अधिकारी वर्ग हेतु शुभकारी रहेगी। यह संक्रांति घोटक वाहन पर सवार होकर सिंह उपवाहन लिए काले वस्त्र धारण किए पत्रपुष्प भक्षण करती हुई वृद्धावस्था में बैठी हुई स्थिति में प्रवेश कर रही है। संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव स्थिर सूचक हैं। धान्यादि में कीट प्रकोप, एवं खंड वृष्टि का प्रभाव उत्पादन में कमी रखेगा।

मास फल

इस माह कन्या राशि पर सूर्य, मंगल, बुध एवं तुला राशि पर सूर्य, मंगल, केतु का त्रिग्रही योग विश्व के कई देशों में भूकंप प्राकृतिक प्रकोप से हानि करा सकता है। सूर्य का तुला राशि में राशि परिवर्तन फिल्मी क्षेत्र राजनैतिक क्षेत्र में कठिनाई ला सकता है। कई राजनैतिक दलों को परेशानी दल-बदल जैसी स्थिति का सामना करना पड़ेगा। चतुर्ग्रही योग का प्रभाव आपसी संघर्ष असमय अतिवृष्टि करा सकता है। ग्रहों के प्रभाव से दलहन-तिलहन के मूल्यों में घटाबढ़ी रहेगी। इमारती सामान के अतिरिक्त ऊनी वस्त्रों में तेजी आएगी। सोने-चांदी के मूल्यों में तेजी का रुख बन सकता है। इस माह ता. 17, 22, 28 अनिष्टकारक हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068

प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

सूर्य दक्षिणायन

शरद ऋतु
17 से हेमंत ऋतु

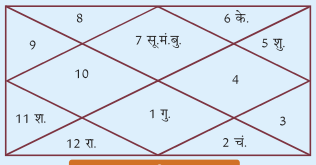

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 नवंबर की

8	7 सू.मं.बु.	6 के.
9	10 / 4	5 शु.
11 श.	1 गु.	3
12 रा.		2 चं.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- तुला में, ता. 17 को 1:15 दिन से वृश्चिक में। **मंगल -** तुला में, ता. 17 को 5:3 रात से वृश्चिक में। **बुध-** तुला में, ता. 5 को 6:14 रात से वृश्चिक में। ता. 26 को 8:56 रात से धनु में। **गुरु-** मेष में वक्री, **शुक्र -** सिंह में, ता. 2 को 7:54 प्रातः से कन्या में। ता. 29 को 8:2 दिन से तुला में। **शनि -** कुंभ में वक्री, ता. 5 को मार्गी, **राहू-** मीन में, **केतु-** कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 5 को 11।45 दिन से ता. 7 को 4।44 दिन तक। ता. 14 को 3।58 रात से ता. 16 को 3।10 रात तक। ता. 23 को 5।05 सायं से ता. 25 को 2।41 दिन तक।

तारा उदय-अस्त - गुरु-शुक्र दोनों पूर्व दिशा में उदित।

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 18 नवंबर की

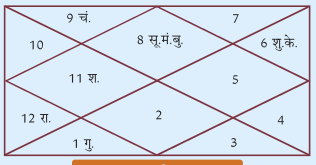

9 चं.	8 सू.मं.बु.	7
10	11 श. / 5	6 शु.के.
12 रा.	2	4
1 गु.		3

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा वृष का, ता. 1 को 6।23 बजे सायं से मिथुन का। ता. 3 को 3।13 बजे रात से कर्क का। ता. 6 को 2।10 बजे दिन से सिंह का। ता. 8 को 2।0 बजे रात से कन्या का। ता. 11 को 12।51 बजे दिन से तुला का। ता. 13 को 9।33 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 15 को 3।47 बजे रात से धनु का। ता. 18 को 7।58 बजे प्रातः से मकर का। ता. 20 को 10।43 बजे दिन से कुंभ का। ता. 22 को 1।0 बजे दिन से मीन का। ता. 24 को 3।45 बजे दिन से मेष का। ता. 26 को 7।50 बजे रात से वृष का। ता. 28 को 1।57 बजे रात से मिथुन राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2529
श्री महर्षि संवत 105

नवंबर 2023

संवत् 2080
कार्तिक-मार्गशीर्ष मास

ता. 23 देव प्रबोधिनी एकादशी
कार्तिक शुक्ल 11 को भगवान विष्णु क्षीर सागर में शयन के पश्चात जागते हैं। इसी दिन तुलसी विवाह होता है और मांगलिक कार्यक्रम शुरु हो जाते हैं।

ता. 12 दीपावली
कार्तिक कृष्ण अमावस्या रविवार को सूर्यास्त के बाद प्रदोषकाल में मुख्य पूजा का मुहूर्त माना गया है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में दोपहर 12 बजे अभिजित काल में पूजा श्रेष्ठ है।

शिव वास अग्नि वास
इस माह ता. 10,12, 23, एवं 28 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	4	10।36	रात	कार्तिक कृष्णपक्ष
2	5	11।4	रात	
3	6	12।2	रात	
4	7	1।27	रात	
5	8	3।15	रात	
6	9	5।17	रात	
7	10	दिन	रात	
8	10	7।28	प्रातः	
9	11	9।30	दिन	
10	12	11।18	दिन	
11	13	12।43	दिन	
12	14	1।41	दिन	
13	30	2।9	दिन	
14	1	2।6	दिन	कार्तिक शुक्लपक्ष
15	2	1।33	दिन	
16	3	12।34	दिन	
17	4	11।10	दिन	
18	5	9।26	प्रातः	
19	6 7	7।26	रात	
20	8	2।52	रात	
21	9	12।30	रात	
22	10	10।11	रात	
23	11	8।0	रात	
24	12	6।0	सायं	
25	13	4।17	दिन	
26	14	2।56	दिन	
27	15	1।58	दिन	
28	1	1।27	दिन	मार्ग कृ पक्ष
29	2	1।27	दिन	
30	3	1।58	दिन	

भद्रा

ता. 3 को 12।2 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 4 को सूर्योदय से 12।42 बजे दिन ता. 7 को - 14।52 बजे प्रातः से 12।00 बजे प्रातः ता. 8 को सूर्योदय से 7।28 बजे प्रातः ता. 11 को 12।43 बजे दिन से 1।17 बजे रात्रि, ता. 16 को 11।55 बजे रात्रि से रात्रिअंत। ता. 17 को सूर्योदय से 11।10 बजे दिन ता. 20 को सूर्योदय से 4।04 बजे दिन ता. 23 को 9।04 बजे दिन से 8।0 बजे रात्रि ता. 26 (%) को 2।56 बजे दिन से लेकर 2।23 बजे रात्रि तक। ता. 29 को 1।40 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 30 को सूर्योदय से 1।58 बजे दिन तक।

वार					
SUNDAY रवि	भद्रा (ऊपर देखें)	**5** अहोई अष्टमी; पुष्य 11।45 दिन; राधा जयंती; कार्तिक कृष्ण 8	**12** दीपावली; स्वाती 2।56 रात; श्री महालक्ष्मी पूजन; कार्तिक कृष्ण 14	**19** सूर्यषष्ठी व्रत पूजनं; श्रवण 11।30 रात; डाला छठ; कार्तिक शुक्ल 6,7	**26** बैकुंठ चतुर्दशी व्रतं; भरणी 1।57 दिन; व्रत की पूर्णिमा, रास पूर्णिमा; कार्तिक शुक्ल 14
MONDAY सोम		**6** सौम्य योग; श्लेषा 2।10 दिन; गुरु हरराय पुण्यतिथि; कार्तिक कृष्ण 9	**13** सोमवती अमास्या; विशाखा 3।42 रात; महावीर निर्वाण दि. जैन; कार्तिक कृष्ण 30	**20** गोपाष्टमी; धनिष्ठा 9।53 रात; सूर्यषष्ठी व्रतं पारणा; कार्तिक शुक्ल 8	**27** कार्तिक पूर्णिमा; कृतिका 1।37 दिन; कार्तिक स्नान समाप्त; कार्तिक शुक्ल 15
TUESDAY मंगल		**7** कालदंड योग; मघा 4।44 दिन; कार्तिक कृष्ण 10	**14** गोवर्धन पूजनं; अनुराधा 3।58 रात; अन्नकूट, बलि पूजा, गौ क्रीड़ा; कार्तिक शुक्ल 1	**21** अक्षय,आंवला नवमी; शतभिषा 8।14 रात; आंवला वृक्ष पूजनं; कार्तिक शुक्ल 9	**28** कार्तिक व्रतस्य पारणा; रोहिणी 1।45 दिन; ज्योतिबाराव फुले पुति; मार्गशीर्ष कृष्ण 1
WEDNESDAY बुध	**1** श्री गणेश चतुर्थी व्रतं; मृगशिर दिनरात; करवा चौथ चंद्रो. 8।35; कार्तिक कृष्ण 4	**8** सुस्थिर योग; पू.फा. 7।20 रात; कार्तिक कृष्ण 10	**15** भाईदोज; ज्येष्ठा 3।47 रात; यमुना स्नानं चित्रगुप्त पूजनं; कार्तिक शुक्ल 2	**22** आशा दशमी; पूर्व भा.6।36 सायं; पंचक; कार्तिक शुक्ल 10	**29** अमृत योग; मृगशिरा 2।21 दिन; मार्गशीर्ष कृष्ण 2
THURSDAY गुरु	**2** मृत्यु योग; मृगशिर 6।43 प्रातः; कार्तिक कृष्ण 5	**9** एकादशी व्रतं सर्वेसाम; उ.फा. 9।46 रात; गोवत्स द्वादशी प्रदोष में; कार्तिक कृष्ण 11	**16** धूम्र योग; मूल 3।10 रात; विश्वामित्र जयंती; कार्तिक शुक्ल 3	**23** देव प्रबोधिनी एकादशी; उ.भा. 5।5 सायं; तुलसी विवाह; कार्तिक शुक्ल 11	**30** गणेश चतुर्थी व्रतं; आर्द्रा 3।26 दिन; सौभाग्य सुंदरी व्रतं, चंद्रो. 7।59; मार्गशीर्ष कृष्ण 3
FRIDAY शुक्र	**3** स्कंध षष्ठी व्रतं; आद्रा 7।57 दिन; पद्म योग; कार्तिक कृष्ण 6	**10** प्रदोष व्रतं; हस्त 11।54 रात; धन त्रयोदशी, धनवंतरी जयंती; कार्तिक कृष्ण 12	**17** वैनायकी चतुर्थी व्रतं; पूर्वाषाढ़ 2।13 रात; सूर्यषष्ठी 3 व्रतारंभ; कार्तिक शुक्ल 4	**24** प्रदोष व्रतं; रेवती 3।45 दिन; श्रीवत्स योग, चतुर्मास समाप्त; कार्तिक शुक्ल 12	(भद्रा, जारी)
SATURDAY शनि	**4** छत्र योग; पुनर्वसु 9।39 दिन; पृथ्वी नक्षत्र योग लेनदेनी योग; कार्तिक कृष्ण 7	**11** मास शिवरात्रि; चित्रा 1।40 रात; नरक चतुर्दशी चंद्रोदयी; कार्तिक कृष्ण 13	**18** स्कंध षष्ठी; उत्तराषाढ़ 12।58 रात; पांडवपंचमी, सूर्यपूजा; कार्तिक शुक्ल 5	**25** सौम्य योग; अश्विनी 2।41 दिन; कार्तिक शुक्ल 13	**पंचक** ता. 20 को 10।43 बजे दिन से ता. 24 को 3।45 बजे दिन तक पंचक रहेंगे।

मुहूर्त

विवाह- ता. 24, 27, 28, 29,
नामकरण- ता. 2, 9, 23, 24, 27, 29
अन्नप्राशन- ता. 2, 10, 19, 27, 29
सीमांत पुंसवन- ता. 2, 5, 19, 23, 28
प्रसूति स्नान- ता. 2, 5, 14, 16, 19, 23, 28 **कूप खनन-** ता. 23, 24
गृहारंभ - ता. 23, 24, 27, 29
व्यापार आरंभ- ता. 8, 23, 24, 27
वाहन क्रय- ता. 2, 3, 5, 8, 19, 20, 24, 29 **नवीन वस्त्र-** ता. 3, 23, 24
संपदा क्रय- ता. 2, 3, 8, 16, 17, 24, 25, 29 **पूंजी निवेश-** ता. 2, 3, 4, 5, 14, 19, 20, 24, 25, 28 **कर्णभेद -** ता. 24, 29 **शल्यक्रिया-** ता. 2, 5, 8, 14, 19, 28 **वाटिका रोपण-** ता. 2, 4, 5, 14, 16, 18, 25, 27, 28, 29
औषधि सेवन- ता. 4-5, 14, 16, 25, 28, 29 **रोग मुक्ति स्नान-** ता. 11, 12, 14
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 2, 4, 9, 24, 25
यात्रा- ता. 2, 10, 24, 25, 28, 29
धान्य छेदन- ता. 2, 5, 20, 23, 26, 29
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 2, 3, 5, 19, 20, 23, 24, 27, 29 **नवान्य भक्षण -** ता. 2, 8, 20, 23, 24, 27, 29 **जीर्ण गृह प्रवेश-** ता. 2, 4, 10 ,18, 20, 22, 23, 24, 27
बीज वोवनी - ता. 4, 5, 7, 14, 18, 29

राशिफल

मेष - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 14 बाल दिवस, श्री नेहरू जयंती
ता. 19 रानी लक्ष्मीबाई इंदिरा गांधी जयंती
ता. 23 कवि कालिदास जयंती
ता. 27 गुरू नानक जयंती

ज्योतिष मठ संस्थान के प्रकाशन घर बैठे डाक से प्राप्त करें।

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग-ता. 1 को सूर्योदय से रात अंत तक। ता. 3 को 7।57 बजे प्रातः से रात अंत तक। ता. 5 को सूर्योदय से 11।45 दिन तक। ता 23 को 5।5 बजे सायं से रातअंत तक। ता 24 को 3।45 बजे दिन से रातअंत तक। ता 27 को 1।37 बजे दिन से रातअंत तक। ता 29 को सूर्योदय से 2।21 बजे दिन तक। ता 30 को 3।26 बजे दिन से रातअंत तक।
अमृतसिद्धि योग- ता. 24 को सूर्योदय से 3।45 बजे दिन तक।
रवियोग- ता. 3 को प्रातः 7।57 बजे से रात्रिअंत तक, ता 4 को सूर्योदय से 9।39 बजे दिन तक। ता 15 को रात्रि 3।47 बजे से रात्रिअंत तक, ता 16 को सूर्योदय से रात्रि 3।10 बजे तक। ता 17 को रात्रि 2।13 बजे से रात्रिअंत तक, ता 18 को सूर्योदय से रात्रि 12।58 बजे तक। ता 21 को रात्रि 8।14 बजे से रात्रिअंत तक, ता 22 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक। ता 23 को सूर्योदय से सायं 5।5 बजे तक। ता 25 को दिन 2।41 बजे से रात्रिअंत तक, ता 26 को सूर्योदय से दिन 1।57 बजे तक।
रविपुष्य योग- ता. 5 को सूर्योदय से 11।45 बजे दिन तक।
दिगंबर जैन व्रत -ता. 13 महावीर निवार्णोत्सव ता. 14 को वीर निर्वाण संवत 2550 प्रा. ता. 20 से 27 अष्टान्हिका व्रत।

यह पंचांग अपने इष्ट मित्रों को भेंट करें।

भोपाल
सूर्योदय ता. 1-6.25 7-6.28 13-6.31 19-6.34 25-6.37 30-6.39
सूर्यास्त ता. 1-5.35 7-5.32 13-5.29 19-5.26 25-5.23 30-5.21

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 1 श्री गणेश, करवा चौथ व्रतं
ता. 3 स्कंध षष्ठी
ता. 5 अहोई अष्टमी
ता. 9 एकादशी व्रतं, गोवत्स द्वादशी
ता. 10 प्रदोष व्रतं, धन त्रयोदशी
ता. 11 नरक, रूप शिव चतुर्दशी
ता. 12 दीपावली, महालक्ष्मी पूजा
ता. 13 स्नानदान सोमवती अमावस्या
ता. 14 गोवर्धन पूजनं, अन्नकूट
ता. 15 भाईदोज, यम द्वितीया
ता. 17 वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतं
ता. 18 जयापंचमी, पांडवपंचमी
ता. 19 सूर्यषष्ठी व्रतं, डाला छट
ता. 20 गोपाष्टमी, गौ पूजा
ता. 21 अक्षय नवमी, आंवला वृक्ष पूजा
ता. 23 देव उठनी ग्यारस, तुलसी विवाह
ता. 24 प्रदोष व्रतं, चतुर्मास समाप्त
ता. 26 बैकुंठ चतुर्दशी, व्रत की पूर्णिमा
ता. 27 स्नानदान कार्तिक पूर्णिमा
ता. 30 गणेश चतुर्थी व्रतं

ज्योतिष मठ का सहयोगी प्रकाशन
दैनिक दीन बन्धु
मध्यप्रदेश के 21 जिलों में नियमित पाठकों के बीच पढ़ा जाने वाला निर्भीक, निष्पक्ष, सटीक दैनिक समाचार पत्र
बैरसिया रोड, करोद भोपाल से प्रकाशित
मो.-9425028578
संपादक - दिनेश शर्मा

वृश्चिक संक्रांति फलं

वृश्चिक संक्रांति - कार्तिक शुक्ल 4 शुक्रवार ता. 17 को 1:15 दिन से भगवान सूर्य वृश्चिक में प्रवेश करेंगे। मिश्रक संज्ञक संक्रांति पशु पालक एवं तत्संबंधी उत्पादकों के लिए लाभकारी है। नक्षत्रनाम घोरा संक्रांति निर्धनवर्ग के लिए भी सुखद रहेगी। यह संक्रांति सिंह पर सवार होकर गज उपवाहन लिए श्वेत वस्त्र धारण कर भुशुंडी शस्त्र लिए स्वर्णपात्र में अन्नादि भक्षण करती हुई देव वर्ण की बाल्यावस्था में बैठी हुई स्थिति में प्रवेश कर रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अन्नादि के भाव में तेजी एवं रस दूध आदि पदार्थ के भाव में उतार-चढ़ाव हो सकता है।

मास फल

तुला एवं वृश्चिक राशि पर सूर्य, मंगल, बुध, चंद्र का चतुर्ग्रही योग इस माह देश में तनाव उपद्रव अशांति के साथ संघर्ष की स्थितियां निर्मित करेगा। वृश्चिक के सूर्य पर शनि की दृष्टि से पश्चिमी देशों में संकट गहराएगा। इन देशों को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। भारत में धनधान्य से संबंधित प्रगति का मार्ग प्रशस्त होगा। गुरु शुक्र का समसप्तक योग राजनीति क्षेत्र में उठापटक का संकेत देता है। तापमान में गिरावट से ठंड बढ़ेगी। तटीय नगरों के क्षेत्रों में तूफान के साथ वर्षा होगी। गोरस का उत्पादन बढ़ेगा। ऊनी वस्त्र सस्ते होंगे। सोने-चांदी के मूल्यों में तेजी रहेगी। इस माह की ता. 15, 19, 25 संघर्ष एवं अशांतिकारक हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें
प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल मो.-9827322068
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम
ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com
website-www.jyotishmath.com

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

ज्योतिष मठ संस्थान

गौतम पंचांग

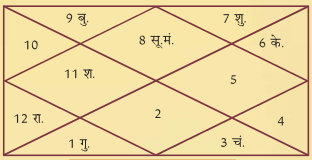

सूर्य दक्षिणायन
ता. 22 से उत्तरायन

हेमंत ऋतु

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 1 दिसंबर की

9 बु. | 7 शु. | 10 | 8 सू.मं. | 6 के. | 11 श. | 5 | 12 रा. | 2 | 4 | 1 गु. | 3 चं.

ग्रह परिवर्तन स्थिति

सूर्य- वृश्चिक में, ता. 16 को 1:17 रात से धनु में। **मंगल-** वृश्चिक में, ता. 28 को 6:12 शाम से धनु में। **बुध-** धनु में, ता. 13 को वक्री, ता. 26 को 4:1 रात से वृश्चिक में। **गुरु-** मेष में वक्री, ता. 31 को मार्गी, **शुक्र-** तुला में, ता. 24 को 9:59 रात से वृश्चिक में। **शनि-** कुंभ में, **राहू-**मीन में, **केतु-** कन्या राशि में भ्रमणरत रहेंगे।

मूल ता. 2 को 7।2 बजे रात से ता. 4 को 11।56 बजे रात तक। ता. 12 को 11।44 दिन से ता. 14 को 11।9 दिन तक। ता. 20 को 1।13 बजे रात से ता. 22 को 10।43 बजे रात तक। ता. 29 को 2।19 बजे रात से ता. 31 को दिनरात तक।

तारा उदय-अस्त - गुरु-शुक्र पूर्व दिशा में उदित

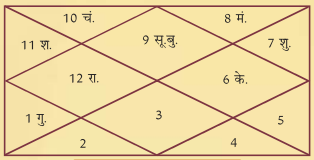

प्रात:कालीन ग्रहाचार स्थिति ता. 17 दिसंबर की

10 चं. | 8 मं. | 11 श. | 9 सू.बु. | 7 शु. | 12 रा. | 6 के. | 1 गु. | 3 | 5 | 2 | 4

चंद्र परिवर्तन स्थिति

चंद्रमा मिथुन का, ता. 1 को 10।33 बजे दिन से कर्क का। ता. 3 को 9।23 बजे रात से सिंह का। ता. 6 को 9।12 बजे दिन से कन्या का। ता. 8 को 8।13 बजे रात से तुला का। ता. 10 को 5।13 बजे रात से वृश्चिक का। ता. 13 को 11।40 बजे दिन से धनु का। ता. 15 को 4।3 बजे दिन से मकर का। ता. 17 को 6।53 बजे सायं से कुंभ का। ता. 19 को 9।11 बजे रात से मीन का। ता. 21 को 11।50 बजे रात से मेष का। ता. 23 को 3।43 बजे रात से वृष का। ता. 26 को 9।37 बजे दिन से मिथुन का। ता. 28 को 6।0 बजे सायं से कर्क का। ता. 30 को 4।36 बजे रात से सिंह राशि का चंद्रमा रहेगा।

शालिवाहन संवत 1945
शंकराचार्य संवत् 2530
श्री महर्षि संवत 106

दिसंबर 2023

संवत् 2080
मार्गशीर्ष-पौष मास

वर्षभर की मंगल कामना के साथ यह पंचांग अपने मित्रों व संबंधियों को भेंट करें।

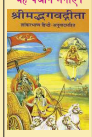

-ज्योतिषाचार्य अयोध्या प्रसाद गौतम

अपने बुक सेलर से यह पंचांग मंगाएं।

ता. 23 गीता जयंती
मार्गशीर्ष शुक्ल 11 (मोक्षदा एकादशी) व्रत के दिन गीता जयंती मनाने की परंपरा है। इसी दिन श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया था।

शिव वास अग्नि वास
इस माह तारीख 2, 5, 9, 13, 20, 25 को शिववास एवं अग्निवास दोनों रहेंगे।

उपरोक्त तारीखों में विद्वान पाठक समय का निर्धारण कर यज्ञादि कार्य करें।

तिथि समय समा.

तारीख	तिथि	समय	बजे तक	माह पक्ष
1	4	2।59	दिन	मार्गशीर्ष कृष्णपक्ष
2	5	4।29	दिन	
3	6	6।20	सायं	
4	7	8।25	रात	
5	8	10।35	रात	
6	9	12।39	रात	
7	10	2।28	रात	
8	11	3।54	रात	
9	12	4।56	रात	
10	13	5।20	रात	
11	14	5।15	रात	
12	30	4।41	रात	
13	1	3।40	रात	मार्गशीर्ष शुक्लपक्ष
14	2	2।15	रात	
15	3	12।30	रात	
16	4	10।29	रात	
17	5	8।16	रात	
18	6	5।57	सायं	
19	7	3।36	दिन	
20	8	1।18	दिन	
21	9	11।8	दिन	
22	10	9।10	दिन	
23	11 12	7।29	प्रात:	
24	13	5।14	रात	
25	14	4।48	रात	
26	15	4।52	रात	
27	1	5।27	रात	पौष कृष्ण पक्ष
28	2	6।28	रात	
29	3	दिन	रात	
30	3	8।4	प्रात:	
31	4	9।57	दिन	

Calendar

SUNDAY रवि	यमघंट योग **31** मघा दिनरात बैरवा दिवस (?) पौष कृष्ण 4	वज्र योग **3** श्लेषा 9।23 रात अधिवक्ता दिवस मार्गशीर्ष कृष्ण 6	प्रदोष व्रतं **10** स्वाती 10।32 दिन मानवाधिकार दिवस मार्गशीर्ष कृष्ण 13	श्री राम विवाहोत्सव **17** श्रव, धनि 7।43 प्रातः पंचक प्रारंभ, नाग दिवाली मार्गशीर्ष शुक्ल 5	प्रदोष व्रतं **24** कृतिका 9।28 रात अनंग त्रयोदशी मार्गशीर्ष शुक्ल 13
MONDAY सोम		रुखमणी अष्टमी **4** मघा 11।56 रात नौसेना दिवस मार्गशीर्ष कृष्ण 7	मास शिवरात्रि **11** विशाखा 11।22 दिन ओशो जन्मोत्सव मार्गशीर्ष कृष्ण 14	चम्पा षष्ठी **18** शतभिषा 4।25 रात पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 6	शिव चतुर्दशी **25** रोहिणी 9।28 रात क्रिसमस-डे मार्गशीर्ष शुक्ल 14
TUESDAY मंगल		काल भैरव अष्टमी व्रतं **5** पू.फा. 2।33 रात मार्गशीर्ष कृष्ण 8	अमावस्या **12** अनुराधा 11।44 दिन द्वापर युगादि तिथि मार्गशीर्ष कृष्ण 30	मित्र,नन्दा सप्तमी **19** पूर्व भा. 2।46 रात पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 7	दत्त पूर्णिमा **26** मृगशिर 9।57 रात दत्तात्रेय जयंती मार्गशीर्ष शुक्ल 15
WEDNESDAY बुध		अन्वष्टका श्राद्ध **6** उ.फा. 5।3 रात डॉ. अंबेडकर पु.ति. (?) मार्गशीर्ष कृष्ण 9	रुद्र व्रतं **13** ज्येष्ठा 11।40 दिन मार्गशीर्ष शुक्ल 1	बुधाष्टमी पर्व **20** उ. भा. 1।13 रात पंचक मार्गशीर्ष शुक्ल 8	मूसल योग **27** आर्द्रा 10।57 रात पौष कृष्ण 1
THURSDAY गुरु		राक्षस योग **7** हस्त दिनरात त्रिदंडी स्वामी पु.ति. मार्गशीर्ष कृष्ण 10	पितृ पूजनं **14** मूल 11।9 दिन ऊर्जा संरक्षण दिवस मार्गशीर्ष शुक्ल 2	नन्दनी नवमी **21** रेवती 11।50 रात पंचक समाप्त मार्गशीर्ष शुक्ल 9	सिद्धि योग **28** पुनर्वसु 12।23 रात पौष कृष्ण 2
FRIDAY शुक्र	लुम्बक योग **1** पुनर्वसु 5।1 सायं मार्गशीर्ष कृष्ण 4	एकादशी व्रतं सर्वेसाम **8** हस्त 7।17 प्रातः अमृत योग मार्गशीर्ष कृष्ण 11	प्रबर्धमान योग **15** पूर्वाषाढ़ 10।17 दिन मार्गशीर्ष शुक्ल 3	एकादशी व्रतं स्मार्त **22** अश्विनी 10।43 रात मार्गशीर्ष शुक्ल 10	उत्पात योग **29** पुष्य 2।19 रात पौष कृष्ण 3
SATURDAY शनि	मित्र योग **2** पुष्य 7।2 रात मार्गशीर्ष कृष्ण 5	**9** चित्रा 9।7 दिन मार्गशीर्ष कृष्ण 12	वैनायकी चतुर्थी व्रतं **16** उत्तराषाढ़ 9।6 दिन खरमास प्रारंभ मार्गशीर्ष शुक्ल 4	एकादशी व्रतं वैष्णव **23** भरणी 9।54 रात गीता जयंती, मत्स्य द्वादशी मार्गशीर्ष शुक्ल 11,12	गणेश चतुर्थी व्रतं **30** श्लेषा 4।36 रात चंद्रोदय 8।18 रात पौष कृष्ण 3

भद्रा

ता. 3 को 6।20 बजे सायं से रात्रिअंत तक। ता. 4 को सूर्योदय से 7।21 बजे प्रातः तक। ता. 7 को 1।36 बजे दिन से 2।28 बजे रात्रि तक। ता. 10 को 5।20 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 11 को सूर्योदय से 5।20 बजे सायं तक। ता. 16 को 11।33 बजे दिन से 10।29 बजे रात्रि तक। ता. 19 को 3।36 बजे दिन से 2।27 बजे रात्रि तक। ता. 22 को 8।20 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक। ता. 23 को सूर्योदय से 7।29 बजे प्रातः तक। ता. 25 को 4।48 बजे रात्रि से रात्रिअंत तक।। ता. 26 को सूर्योदय से 4।50 बजे दिन तक। ता. 29 को सूर्योदय से 1।10 बजे दिन तक। ता. 30 को सूर्योदय से 8।4 बजे प्रातः तक।

पंचक

तारीख 17 को 6।56 बजे सायं से ता. 21 को 11।50 बजे रात तक।

मुहूर्त

विवाह- ता. 3, 4, 5, 6, 7, 9, 11, 13, 14, 15, **कर्णभेद -** ता. 1, 8, 27
नामकरण-ता.1,8, 15, 18, 20, 22, 29
अन्नप्राशन- ता. 1, 15, 17, 21, 29
नवीन वस्त्र- ता. 1, 8, 15, 20, 21, 22, 29 **प्रसूति स्नान-** ता. 14, 17, 26
व्यापार आरंभ- ता. 7, 8, 15
वाहन क्रय- ता. 1, 7, 8, 17, 18, 21, 28, 29 **देव प्रतिष्ठा-** ता. 29
संपदा क्रय- ता. 1, 4, 14, 15, 18, 20
पूंजी निवेश- ता. 1, 2, 17, 18, 21, 26, 28, 29 **शल्यक्रिया-** ता. 7, 17, 26
वाटिका रोपण- ता. 2, 8, 9, 14, 15, 20, 22, 26, 29 **अक्षरारंभ-** ता. 29
औषधि सेवन- ता. 9, 14, 17, 21, 26
राज्यसेवा ग्रहण- ता. 2, 7, 8, 9, 21, 27, 29 **बीज वोवनी -** ता. 2, 4, 15
यात्रा- ता. 1, 8, 29, 27, 26, 29
धान्य छेदन- ता. 3, 4, 8, 15, 17, 20, 24, 29, 31 **सीमांत पुंसवन-** ता. 17, 21
धार्मिक अनुष्ठान- ता. 1, 7, 8,15, 17, 18, 20, 21, 28, 29
नवान्य भक्षण-ता. 7, 8, 15, 20, 21, 22
जीर्ण गृह प्रवेश - ता. 2, 8, 9, 15, 18, 20, 29
रोग मुक्ति स्नान - ता. 12, 13, 14, 16

राशिफल

मेष - चिंता निवारण, जायजाद वृद्धि।
वृष- स्थानांतरण, शरीर कष्ट, तनाव।
मिथुन - व्यर्थ की चिंता, सहयोग मिलेगा।
कर्क - पुत्र सुख, भूमि लाभ, यात्रा कष्ट।
सिंह - व्यर्थ विवाद, सफलता, धन लाभ।
कन्या - शुभ प्रसंग, यात्रा, परेशानी, कष्ट।
तुला - स्वास्थ्य चिंता, धोखा परेशानी।
वृश्चिक - भूमि लाभ, प्रतिष्ठा में वृद्धि, यात्रा।
धनु - प्रापर्टी से लाभ, रोग, पुत्र सुख।
मकर- शुभ समाचार, धन लाभ, मतभेद।
कुम्भ- श्रम अधिक, लाभ, बेवजह तनाव।
मीन- मतभेद बढ़ेगा, मेहमान, आगमन।

प्रमुख दिवस, जयंती

ता. 3 विश्व दिव्यांग दिवस
ता. 14 ऊर्जा बचत दिवस
ता. 18 गुरु घासीदास जयंती
ता. 25 प्रभु ईसामसीह जयंती, मेरी क्रिसमस, पं. अटल बिहारी वाजपेयी जयंती
ता. 29 महाराजा छत्रसाल परमधामवास

शुभ योग

सर्वार्थ सिद्धि योग - ता. 1 को सूर्योदय से 5।1 बजे सायं तक। ता 9 को 9।7 बजे दिन से रातअंत तक। ता 11 को 11।22 बजे दिन से रातअंत तक। ता 16 को 9।6 बजे दिन से रातअंत तक। ता 21 को सूर्योदय से 11।50 बजे रात्रि तक। ता 22 को सूर्योदय से 10।43 बजे रात्रि तक। ता 25 को सूर्योदय से 9।28 बजे रात्रि तक। ता 28 को सूर्योदय से 12।23 बजे रातअंत तक।
अमृतसिद्धि योग- ता. 25 को 9।28 बजे रात्रि से रातअंत तक।
रवियोग- ता. 2 को रात्रि 7।2 बजे से रात्रिअंत तक। ता 3 को सूर्योदय से 9।23 बजे रात्रि तक। ता 4 को सूर्योदय से 11।56 बजे रात्रि तक। ता 15 को दिन 10।17 बजे से रात्रिअंत तक, ता 16 को सूर्योदय से दिन 9।6 बजे तक। ता 17 को सूर्योदय से 7।43 बजे प्रातः तक। ता 18 को सूर्योदय से 4।25 बजे रात्रि तक। ता 20 को रात्रि 1।13 बजे से रात्रिअंत तक, ता 21 को सूर्योदय से रात्रिअंत तक, ता 22 को सूर्योदय से 10।43 बजे रात्रि तक। ता 24 को रात्रि 9।28 बजे से रात्रिअंत तक, ता 25 को सूर्योदय से 9।28 बजे रात्रि तक।
पुष्य नक्षत्र - ता. 1 को 5।1 सायं से ता. 2 को 7।2 रात तक।

पंचांग के पिछले पृष्ठों पर दी गई जानकारी विषय विशेषज्ञों के ज्ञान पर आधारित है।

भोपाल

सूर्योदय ता.	1-6.40	7-6.41	13-6.42	19-6.43	25-6.43	30-6.42
सूर्यास्त ता.	1-5.20	7-5.19	13-5.18	19-5.17	25-5.17	30-5.18

माह के मुख्य व्रत, पर्व एवं त्योहार

ता. 5 काल भैरव अष्टमी व्रतं
ता. 8 उत्पन्ना एकादशी व्रतं
ता. 10 प्रदोष व्रतं
ता. 12 स्नानदान श्राद्ध अमावस्या
ता. 16 वैनायकी चतुर्थी व्रतं
ता. 17 श्री राम विवाहोत्सव
ता. 18 चम्पाषष्ठी, बैगनी छठ
ता. 19 नन्दा सप्तमी
ता. 21 नन्दनी नवमी
ता. 22 पदार्थ दशमी व्रतारम्भ
ता. 23 एकादशी व्रतं, गीता जयंती
ता. 24 प्रदोष व्रतं, अनंग त्रयोदशी
ता. 25 शिव चतुर्दशी
ता. 26 स्नादान दत्त पूर्णिमा व्रतं, दत्तात्रेय जयंती
ता. 30 गणेश चतुर्थी वतं

ज्योतिष मठ संस्थान का प्रकाशन

लेखक - पं. विनोद गौतम

सटीक ज्योतिष ज्ञान से परिपूर्ण यह पंचांग अपने नजदीकी बुकसेलर से मंगाएं अथवा मो. नं. 9827322068 पर संपर्क करें।

धनु संक्रांति फलं

धनु संक्रांति - मार्गशीर्ष शुक्ल 4 शनिवार ता. 16 को 1:17 रात से भगवान दिवाकर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। राक्षसी संज्ञक संक्रांति दुष्ट वर्ग, तस्करों, जमाखोरों के लिए शुभकारी रहेगी। यह संक्रांति सिंह वाहन पर सवार होकर गज उपवाहन लिए सफेद वस्त्र धारण कर भुषुंडी शस्त्र लिए स्वर्णपात्र में खिचड़ी भक्षण करती हुई, देव वर्ण की बाल्यावस्था में विश्राम की अवस्था में प्रवेश कर रही है। इस संक्रांति के प्रभाव से अनाज आदि के भाव में उतार-चढ़ाव का दौर रहेगा। अनाचक वृष्टि, इल्ली, कीट-पतंगों से फसलों को हानि हो सकती है।

मास फल

इस माह वृश्चिक राशि पर मंगल-सूर्य शुक्र का त्रिग्रही योग पश्चिमोत्तर राज्यों में जनसंघर्ष बढ़ाएगा। इस माह राजनैतिक उपद्रव संभव है। मंगल पर शनि की दृष्टि जनसंघर्षकारी है। अनेक देशों में युद्ध का भय बढ़ेगा। शुक्र का गुरु से षडाष्टक योग राजनैतिक संघर्ष के साथ परिवर्तनकारी है। मौसम में परिवर्तन से शीतलहर की अधिकता बढ़ेगा। इस माह चांवल गुड़ का संग्रह करना लाभदायक होगा। खाद्य पदार्थों के मूल्य सामान्य रहेंगे, तिलहन-दलहन के मूल्यों में कमी आएगी। रोग उपद्रव से डर का वातावरण बढ़ेगा। इस माह रोग के उपद्रव से महामारी का खतरा है। पूर्वी भागों में तेज हवा हिमपात का प्रभाव रहेगा। इस माह ता. 7, 14, 22, 26 उपद्रव अशांतिकारक हैं।

ज्योतषीय परामर्श हेतु संपर्क करें

प्रकाशक : ज्योतिष मठ संस्थान नेहरु नगर, भोपाल फोन- 0755-7964542
प्रस्तुतकर्ता - पं. विनोद गौतम मो.-9827322068 ईमेल-pt.vinodgoutam@gmail.com website-www.jyotishmath.com

₹70